पटना ●सोमवार, 08 जुलाई 2024 मूल्यः 5:00, पृष्ठः 8 वर्षः 5, अंकः177 www. bordernewsmirror@gmail.com ☎ 9471060219, 9470050309

BORDER NEWS MIRROR
BNM
to the point...
राष्ट्रीय द्विभाषिक समाचार पत्र

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

विकास कार्यों को गति देकर जिला ... 3 www. bordernewsmirror.com वाईआरएफ की स्पाई... 8

भारत ने दूसरे टी20 में जिम्बाब्वे को 100 रन से हराया

एक-एक से बराबर हुई 5 मैचों की यह टी20 सीरीज

हरारे। भारत ने जिम्बाब्वे को दूसरे टी-20 में 100 रन से हरा दिया। भारत ने हरारे स्पोर्ट्स क्लब में रविवार को टॉस जीतकर पहले बैटिंग की। अभिषेक शर्मा के शतक और ऋतुराज गायकवाड के 77 रन के सहारे भारत ने 234 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। यह जिम्बाब्वे

के खिलाफ किसी भी टीम का सबसे बड़ा स्कोर रहा। इससे पहले, 2018 में ऑस्ट्रेलिया ने 229 रन का स्कोर बनाया था। जवाबी पारी में जिम्बाब्वे 134 रन बनाकर ऑलआउट हो गया। यह भारत की जिम्बाब्वे के खिलाफ रन के अंतर से सबसे बड़ी जीत रही। इससे पहले टीम इंडिया ने 2022 टी-20 वर्ल्ड कप में मेलबर्न के मैदान पर जिम्बाब्वे 71 रन से हराया था। भारतीय गेंदबाजों में आवेश खान और मुकेश कुमार 3-3 विकेट लिए।

अगर हिंदू हिंसक होता...

नूपुर ने राहुल पर साधा निशाना, याद दिलाई 'अपनी' बात

- कांग्रेस नेता के बयान को बताया किसी बड़ी साजिश का हिस्सा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी की पूर्व प्रवक्ता नूपुर शर्मा ने बिना नाम लिए राहुल गांधी पर निशाना साधा है। नूपुर शर्मा

का दावा है कि हिंदुओं को लेकर दिया गया राहुल गांधी का बयान किसी साजिश का हिस्सा हो सकता है। नूपुर ने दो साल पहले खुद को मिली धमकियों को याद करते हुए कहा कि अगर हिंदू हिंसक होता तो हिंदुओं की बेटी को अपने ही देश में सुरक्षा में नहीं रहना पड़ता। बता दें कि राहुल गांधी ने सदन में भाषण देते वक्त भाजपा पर निशाना साधा था। उन्होंने कहा था खुद को हिंदू कहने वाले लोग लगातार हिंसा में लगे रहते हैं।

आम बजट

बिहार की लगेगी लॉटरी, आंध्र ने भी रखी डिमांड

नई दिल्ली (एजेंसी)। निर्मला सीतारमण 23 जुलाई को देश का बजट पेश करेंगी। 2024 के लोकसभा चुनाव में बीजेपी अपने दम पर बहुमत हासिल करने में असफल रही। एनडीए सरकार की निर्भरता चंद्रबाबू नायडू की टीडीपी और नीतिश कुमार की पार्टी जेडीयू पर अधिक है। यही कारण है कि इस साल के बजट में बिहार और आंध्र प्रदेश जैसे राज्यों पर केंद्र सरकार मेहरबानी दिखा सकती है। मीडिया

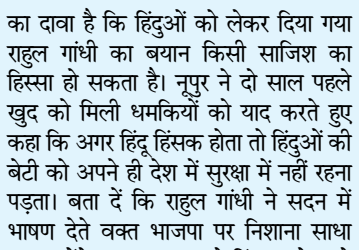

रिपोर्ट के मुताबिक, दोनों ही राज्यों ने 2024 के केंद्रीय बजट से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार से एक लाख करोड़ रुपये से अधिक की धनराशि मांगी है। रॉयटर्स और एक सूत्र द्वारा समीक्षा किए गए दस्तावेजों के अनुसार, भाजपा के दो प्रमुख सहयोगियों ने चालू वित्त वर्ष के लिए फंड के अलावा बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के लिए उधार लेने की सीमा बढ़ाने का अनुरोध किया है। 16 सांसदों वाली टीडीपी और 12 सांसदों वाली जेडीयू ने हाल ही में संपन्न लोकसभा चुनावों में भाजपा को केंद्र में सरकार बनाने में मदद की थी।

जबरदस्त जयघोष के साथ पुरी में शुरू हुई जगन्नाथ रथयात्रा

पुरी (एजेंसी)। पुरी में भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा शुरू हो गई है। सबसे पहले बलभद्र का रथ खींचा गया है। रथ रुक-रुक कर आगे बढ़ रहा है। कुछ देर बाद सुभद्रा और जगन्नाथ जी का रथ खींचा गया। सूर्यास्त तक ही रथयात्रा चली और कल सुबह आठ बजे से रथयात्रा फिर शुरू होगी। जगन्नाथ मंदिर के पंचांगकर्ता डॉ. ज्योति प्रसाद के मुताबिक, भगवान को आम दिनों से 2 घंटे पहले जगाया गया। मंगला आरती सुबह 4 की बजाय रात 2 बजे हुई। मंगला आरती के बाद करीब ढाई बजे दशावतार पूजन हुआ। 3 बजे नैत्रोत्सव और 4 बजे पुरी के राजा की तरफ से पूजा की गई। सुबह 5.10 बजे के बाद सूर्य पूजा और करीब 5.30 बजे द्वारपाल पूजा हुई। सुबह 7 बजे भगवान को खिचड़ी भोग-प्रसाद लगाया गया। रथयात्रा में बहुत ज्यादा भीड़ की वजह से भगवान के नवयौवन दर्शन नहीं हो पाए। रथयात्रा में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू भी शामिल हुईं।

- 1971 के बाद पहली बार दो दिवसीय यात्रा, राष्ट्रपति मुर्मू ने खींचा सुभद्रा का रथ

पीएम नरेंद्र मोदी ने रथयात्रा की देश वासियों को शुभ कामनाएं दीं। बलभद्र के बाद देवी सुभद्रा का रथ आगे बढ़ने लगा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने भी भक्तों के साथ देवी का रथ खींचा। इसके बाद वे यहां से लौट गईं और कल सुबह फिर रथयात्रा में शामिल होंगी। वहीं आपको बता दें कि भगवान जगन्नाथ आषाढ़ शुक्ल द्वितीया से दशमी तिथि तक जन सामान्य के बीच रहते हैं। साथ ही इस अवधि में भगवान जगन्नाथ अपने बड़े भाई बलराम और बहन सुभद्रा के साथ रथ पर विराजकर गुंडीचा मंदिर की ओर प्रस्थान करते हैं। यह भव्य आयोजन 10 दिनों तक चलता है।

साथ ही 53 साल बाद यह यात्रा दो-दिवसीय होगी। ग्रह-नक्षत्रों की गणना के अनुसार इस साल दो दिवसीय यात्रा आयोजित की जा रही है।

चीन के छक्के छुड़ाने आ गया भारत का जोरावर

- यूक्रेन युद्ध की सीख से तैयार हुआ महारथी, फीचर्स भी हैरान करने वाले

नई दिल्ली (एजेंसी)। वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर भारतीय सेना को एक और बड़ी ताकत मिलने जा रही है। लद्दाख में चीन के सामने तैनात भारतीय बलों को जल्द ही देश में बना टैंक 'जोरावर' मिलने जा रहा है। इस टैंक को भारत की प्रमुख डिफेंस रिसर्च एजेंसी रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) और निजी क्षेत्र की फर्म लार्सन एंड टूब्रो (एलएंडटी) ने बनाया है। स्वदेशी लाइट टैंक जोरावर अपने ट्रायल के एडवांस स्टेज में हैं। इस बेहद एडवांस फीचर वाले टैंक को दो साल में तैयार किया है। सबसे खास बात ये है कि इन टैंकों को चीन के सामने सीमा पर तैनात किया जाएगा। यह टैंक हल्का और तेज होने के कारण पहाड़ी क्षेत्रों में विशेष रूप से उपयोगी है। जोरावर को भारतीय सेना की आवश्यकताओं के अनुसार विकसित किया गया है ताकि उच्च ऊंचाई वाले क्षेत्रों में इसकी तैनाती आसानी से की जा सके। इसके डिजाइन और निर्माण में नवीनतम तकनीकों का उपयोग

किया गया है। डीआरडीओ प्रमुख डॉ. समीर वी. कामत ने शनिवार को गुजरात के हजीरा स्थित लार्सन एंड टूब्रो संयंत्र में प्रोजेक्ट की प्रोग्रेस खुद चेक की। डीआरडीओ और एलएंडटी ने रूस और यूक्रेन युद्ध से सबक लेते हुए टैंक में बेहद कमाल के फीचर्स जोड़े हैं। इसमें टैंक के लोइटरिंग म्यूनिशन में यूएसवी (मानवरहित सतह वाहन) को इंटीग्रेट किया गया है। लोइटरिंग म्यूनिशन एक प्रकार का हथियार है जो टारगेट एरिया में मंडराता है और सही समय पर निशाना साधकर हमला करता है। इसे कामीकाजी ड्रोन के नाम से भी जाना जाता है। ये म्यूनिशन ऑटोमैटिक होते हैं और इन्हें पहले से निर्धारित लक्ष्य या क्षेत्रों में भेजा जा सकता है। जब ये अपना लक्ष्य पहचान लेते हैं, तो वे सीधे उस पर हमला करते हैं।

जम्मू-कश्मीर में 'आतंक' के खिलाफ सेना का बड़ा वार

कुलगाम मुठभेड़ में 6 दहशतगर्द ढेर, पुलिस ने बताया मील का पत्थर

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा बलों ने 2 और आतंकवादियों के शव बरामद किए हैं। इस तरह कुलगाम जिले में रविवार को हुई दो मुठभेड़ों में मृतकों की संख्या बढ़कर 8 हो गई है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। कुलगाम जिले के 2 गांवों में शनिवार को मुठभेड़ शुरू हुई थी। अधिकारियों ने बताया, मोदरगाम मुठभेड़ स्थल से दो आतंकवादियों के शव बरामद किए गए। चिन्नीगाम मुठभेड़ स्थल से 4 आतंकवादियों के शव बरामद किए गए थे। उन्होंने बताया कि आतंकवादियों के साथ मुठभेड़ में एक पैरा कमांडो समेत 2 सैन्यकर्मियों ने अपने प्राण न्यौछावर कर दिए। बताया जा रहा है कि आतंकवाद विरोधी

अभियान अभी जारी है। जम्मू-कश्मीर के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) आरआर स्वैन ने पुष्टि करते हुए कहा कि कुलगाम मुठभेड़ में 6 आतंकवादी मारे गए हैं।

राजौरी में सेना शिविर पर आतंकवादियों का हमला

दूसरी ओर, जम्मू कश्मीर में राजौरी जिले के मंजाकोट इलाके में सेना के शिविर पर संदिग्ध आतंकवादियों के हमले में एक जवान घायल हो गया। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि संदिग्ध आतंकवादियों ने मंजाकोट इलाके में सेना के शिविर पर तड़के गोलीबारी की। उन्होंने कहा, सेना के जवानों ने तेजी से कार्रवाई की और अपनी पोजीशन ले ली और गोलीबारी का करारा जवाब दिया।

असम में बाढ़ से हाहाकार, 58 की मौत

दिसपुर (एजेंसी)। पिछले एक महीने से असम में लोगों का बाढ़ से बुरा हाल है। लोगों को सुरक्षित स्थानों पर ले जाया गया था लेकिन बाढ़ के पानी में इसके बाद भी 58 लोगों की जान ले ली। असम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एएसडीएमए) ने बताया कि पिछले महीने असम में गंभीर बाढ़ की स्थिति ने

- काजीरंगा में जानवरों पर भी खतरा, सीएम ने जाना हाल

भर में करोड़ों के इंन्फ्रास्ट्रक्चर को बर्बाद कर दिया है। बाढ़ के पानी से बहुत ज्यादा हानि हुई है, सड़कें बंद हो गई है, फसल नष्ट हो चुकी है और घरेलू जानवरों की भी बहुत बड़ी मात्रा में हानि हुई है। बाढ़ के कारण हजारों लोग बेघर हो गए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक,27 जिलों में 577 राहत शिविरों और वितरण केंद्रों में 526,000 से अधिक लोग शरण ले रहे हैं। असम में बहने वाली ब्रह्मपुत्र सहित 10 नदियां अपने उफान पर हैं, वे या तो अपने खतरे के निशान पर बह रही हैं या फिर खतरे के निशान के ऊपर बह रही हैं। ब्रह्मपुत्र नदी का जल स्तर नेमाटीघाट, तेजपुर, धुबरी और गोलपारा में खतरे के निशान से ऊपर

है। एएसडीएमए की बाढ़ रिपोर्ट के अनुसार शनिवार को पूरे जिले की बाढ़ की स्थिति में थोड़ा सुधार हुआ था लेकिन 29 जिलों के 2.39 मिलियन लोगों से अधिक अभी भी बाढ़ की दूसरी लहर से प्रभावित हैं। काजीरंगा नेशनल पार्क की फील्ड डायरेक्टर सोनाली घोष ने बताया कि पार्क में बाढ़ से अब तक 114 जंगली जानवरों की मौत हो चुकी है। पार्क प्रबंधन और वन विभाग ने जंगली जानवरों को भी बचाया है। हालांकि राष्ट्रीय उद्यान में बाढ़ की स्थिति में सुधार हुआ है, लेकिन पार्क के 66 वन शिविर अभी भी पानी में डूबे हुए हैं जिससे जंगली जानवरों के ऊपर भी बुरा असर पड़ रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक, बाढ़ से 1,549,161 जानवर प्रभावित हुए हैं।

हाथरस कांड को लेकर राहुल ने लिखी सीएम योगी को चिट्ठी

लेटर में की मुआवजा राशि बढ़ाने की मांग, 121 लोगों की गई है जान

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने हाथरस भगदड़ कांड को लेकर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को चिट्ठी लिखी है। उन्होंने अपने पत्र के माध्यम से मुआवजे की राशि बढ़ाने की मांग की है। उन्होंने खुद एक्स पर एक पोस्ट के जरिए इसकी जानकारी दी है। राहुल गांधी लिखते हैं, हाथरस में भगदड़ हादसे से प्रभावित पीड़ित परिवारों से मुलाकात कर, उनका दुख महसूस कर और समस्याएं जान कर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र के माध्यम से उनसे अवगत कराया। राहुल गांधी ने कहा, मुख्यमंत्री से मुआवजे की राशि को बढ़ाकर शोकाकुल परिवारों को जल्द से जल्द प्रदान करने का आग्रह किया। इस दुख की घड़ी में उन्हें हमारी सामूहिक संवेदना और

सहायता की आवश्यकता है। हाथरस में मंगलवार को प्रवर्चनकर्ता 'भोले बाबा' के सत्संग में मची भगदड़ में कुल 121 लोगों की मौत हो गई थी, जिनमें ज्यादातर महिलाएं थीं। गांधी ने शुक्रवार सुबह पीड़ित परिवारों से मुलाकात की थी। वहीं, योगी आदित्यनाथ ने घोषणा की थी कि मृतकों के परिवारों को दो-दो लाख रुपये और घायलों को 50-50 हजार रुपये मुआवजा दिया जाएगा। राहुल गांधी ने छह जुलाई को आदित्यनाथ को लिखे अपने पत्र में कहा, ''उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा घोषित मुआवजा अपर्याप्त है। मैं आग्रह करता हूं कि मुआवजे की राशि बढ़ाई जाए और इसे जल्द से जल्द दिया जाए।' कांग्रेस नेता ने कहा कि घायलों को उचित उपचार और उचित मुआवजा दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, ''हाथरस में भगदड़ की घटना में 120 से अधिक लोगों की मौत की खबर से मैं स्तब्ध हूं।

तमिलनाडु में कानून व्यवस्था चौपट, सीबीआई करे हत्या की जांच

- प्रदेश बीएसपी चीफ की हत्या के बाद स्टालिन सरकार पर भड़कीं मायावती

चेन्नई (एजेंसी)। बहुजन समाज पार्टी सुप्रीमो मायावती ने उनकी पार्टी की तमिलनाडु इकाई के अध्यक्ष के. आर्मस्ट्रांग की हत्या की सीबीआई से

जांच कराए जाने की रविवार को मांग की। आर्मस्ट्रांग की शुक्रवार को यहां हत्या कर दी गई थी। मायावती ने दावा किया कि इस मामले में अब तक गिरफ्तार किए गए लोग असल अपराधी नहीं हैं और उन्होंने मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने इस मामले की जांच केंद्रीय एजेंसी को सौंपने का आग्रह किया।

स्वागत को बेकरार...

पीएम मोदी के ऑस्ट्रिया दौरे पर चांसलर ने लिखी पोस्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ऑस्ट्रिया के दौरे पर जाने वाले हैं। इसको लेकर ऑस्ट्रिया के चांसलर कार्ल नेहमर ने खुशी जताई है। इसके अलावा पीएम मोदी का स्वागत करते हुए नेहमर ने एक्स पर पोस्ट भी लिखी है। नेहमर ने कि

- 40 साल में किसी भारतीय प्रधानमंत्री होगी पहली यात्रा

यह यात्रा एक विशेष सम्मान है क्योंकि यह 40 से अधिक वर्षों में किसी भारतीय प्रधानमंत्री की मेरे देश की पहली यात्रा है। नेहमर की इस पोस्ट पर पीएम मोदी ने भी अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने लिखा है कि भारत और ऑस्ट्रिया के राजनयिक संबंधों के 75 साल पूरे होने के मौके पर इस मध्य यूरोपीय देश की यात्रा करना वास्तव में सम्मान की बात है। उन्होंने उम्मीद जताई कि उनकी इस यात्रा के दौरान दोनों देशों के बीच संबंधों को प्रगाढ़ करने तथा सहयोग के नये रास्ते तलाशने पर चर्चा होगी। बता दें कि प्रधानमंत्री मोदी आठ और नौ जुलाई को रूस

की दो दिवसीय यात्रा पर जाएंगे, जहां वह 22वें भारत-रूस वार्षिक शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे और इन दोनों देशों के बीच बहुआयामी संबंधों की समीक्षा की जाएगी। मोदी रूस से ऑस्ट्रिया जाएंगे। वह नौ और 10 जुलाई को ऑस्ट्रिया में रहेंगे। पीएम मोदी के स्वागत में ऑस्ट्रिया के चांसलर कार्ल नेहमर के सोशल मीडिया पोस्ट लिखी थी। इसमें उन्होंने लिखा कि वह दुनिया के सबसे बड़े लोकतांत्रिक देश भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का अगले सप्ताह वियना में स्वागत करने के लिए बहुत उत्सुक हैं। यह इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि हम भारत के साथ राजनयिक संबंधों के 75 साल पूरे होने का जश्न मना रहे हैं। उन्होंने कहा हमें अपने द्विपक्षीय संबंधों को और प्रगाढ़ करने और कई भू-राजनीतिक चुनौतियों पर बेहतरीन सहयोग के बारे में बात करने का अवसर मिलेगा। नेहमर की इस टिप्पणी पर प्रतिक्रिया देते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने उनका आभार जताया। मोदी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि इस ऐतिहासिक अवसर पर ऑस्ट्रिया की यात्रा करना वास्तव में एक सम्मान है।

अब मुंबई में पुणे जैसा हादसा, महिला की मौत

- बीएमडब्ल्यू ने दंपति को मारी टक्कर, महिला को 100 मीटर घसीटा

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के पुणे में चर्चित पोर्श एक्सीडेंट केस के बाद अब मुंबई में हिट एंड रन की घटना सामने आई। मुंबई के वर्ली में रविवार सुबह एक तेज रफ्तार बीएमडब्ल्यू ने स्कूटी सवार दंपति को टक्कर मार दी।

आरोपी ने मौके से भागने के दौरान 45 साल की महिला को कार से 100 मीटर तक घसीटा, जिससे उनकी मौत हो गई। पति घायल है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, कार मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की पार्टी शिवसेना के नेता राजेश शाह का 24 साल का बेटा मिहिर शाह चला रहा था। उसके साथ ड्राइवर भी था। घटना के बाद से मिहिर फरार है। पुलिस ने राजेश शाह और ड्राइवर को हिरासत में लिया है। कार भी जब्त कर ली है। रिपोर्ट के मुताबिक, पुलिस ने बताया कि वर्ली के कोलीवाड़ा इलाके में रहने वाले प्रदीप नखवा और उनकी पत्नी कावेरी नखवा मछुआरे समुदाय के हैं।

कोसी और गंडक बराज के सभी फाटक खोले गए, लाल बत्ती दे रही बाढ़ से तबाही के संकेत

पटना, एजेंसी। नेपाल के तराई क्षेत्रों में लगातार हो रही मूसलधार बारिश ने बिहार के लोगों की मुश्किलें भी बढ़ा दी है. बिहार हर साल बाढ़ का दंश झेलता है. पहले उजड़ना और फिर बसना, बिहार के कई इलाकों के लोगों के लिए ये हर साल की कहानी है. इसबार भी अब बाढ़ की मार नजदीक दिख रही है. कोसी, गंडक समेत कई नदियों का जलस्तर जिस तरह बढ़ रहा है उससे लोगों की चिंता बढ़ी हुई है. कई गांवों में बाढ़ का पानी घुस चुका है. लोग अपना घर-मकान छोड़कर सुरक्षित जगह की ओर पलायन करने लगे हैं. वहीं बराजों से अब और खतरनाक संकेत मिल रहे हैं. कोसी बराज और गंडक बराज के सभी फाटक खोल दिए गए हैं.

बिहार का सुपौल जिला कोसी नदी के रौद्र रूप को सहता है. कई गांव बाढ़ की चपेट में हर साल आते हैं. पिछले कुछ दिनों से नेपाल में हो रही बारिश ने कोसी नदी का जलस्तर बढ़ा दिया है. कोसी की सहायक नदियों का भी पानी बढ़ा है जिससे कोसी उफनाई हुई है. वहीं वीरपुर बराज के 56 में 56 फाटक रविवार को खोल दिए गए. इस साल सबसे अधिक पानी यहां छोड़ा गया जिसके कारण बराज की लाल बत्ती भी जला दी गयी. ताजा जानकारी के अनुसार, रविवार को दोपहर 1 बजे के आंकड़े के मुताबिक, बराज से 3 लाख 86 हजार 735 क्यूसेक पानी छोड़ा जा चुका था. बताते चलें कि शनिवार को ही 36 फाटक खोलने पड़े थे. रविवार को बराज के सभी फाटक खोल दिए गए हैं.

बराज पर लाल बत्ती और लाल झंडे की कहानी कुछ ऐसी है कि ये वर्तमान स्थिति को बताता है और संभावित खतरे को लेकर लोगों को अलर्ट करता है. कोसी बराज पर पहले एक के बाद एक करके दो झंडे लगाए गए थे. अब लाल बत्ती जला दी गयी है. दरअसल, जब बराज पर 2 लाख क्यूसेक से अधिक पानी रिकॉर्ड किया जाता है तो दो झंडा लगाने की औपचारिकता पूरी की जाती है. नियम के अनुसार, बराज स्थित कंट्रोल रूम हर घंटे पर नदी के मापांक को प्रसारित करता है. नदी का जलस्तर जब बढ़ने लगता है तो आम लोगों को सतर्क करने के लिए सूचनार्थ यह झंडा लगाया जाता है. जब नदी का जलस्तर 1.5 लाख क्यूसेक पार करता है तो कोसी बराज पर एक झंडा लगाया जाता है. जब दो लाख क्यूसेक का लेवल पानी पार करता है तो बराज पर दोनो ओर झंडे टांगे जाते हैं. वहीं जब जलस्तर तीन लाख क्यूसेक को पार कर जाता है तो बराज पर लाल बत्ती जलाकर लोगों को हाई अलर्ट किया जाता है.

वहीं दूसरी ओर नेपाल में भारी बारिश और गंडक बराज से पानी डिस्चार्ज किये जाने से गंडक नदी उफान पर है. अगले 48 घंटे में नेपाल से करीब 5 लाख क्यूसेक पानी आने की संभावना है. गंडक नदी से इस वर्ष सर्वाधिक 3.14 लाख क्यूसेक डिस्चार्ज किया गया है. यहां तटबंध के अंदर बसे गांव पर बाढ़ का खतरा मंडराने लगा है. पश्चिमी चंपारण के वाल्मीकिनगर में गंडक बराज के कार्यपालक अभियंता सियाराम पासवान ने बताया कि गंडक बराज के सभी 36 फाटक को खोल दिया गया. गंडक बराज पर तैनात सभी अधिकारियों व कर्मचारियों को हाई अलर्ट कर दिया गया. पश्चिमी चंपारण और गोपालगंज में नीचले इलाके के लोग अब सुरक्षित जगहों की ओर पलायन करने लगे हैं.

संक्षिप्त समाचार

पटना पुलिस अब व्हाट्सएप पर देगी की एफआईआर का अपडेट, थाने का चक्कर खत्म

पटना, एजेंसी। बिहार पुलिस में आये दिन नये नये बदलाव हो रहे हैं. एक ओर पुलिस हाइटेक हो रही है तो दूसरी ओर आम लोगों को भी गजेट्स के माध्यम से सहूलियत दे रही है. राजधानी पटना में पुलिस अब शिकायतकर्ताओं को व्हाट्सएप पर जांच का अपडेट देगी. शिकायत कराने के बाद पीड़ितों को थाने के चक्कर नहीं काटने पड़ेंगे. शिकायत दर्ज कराते समय शिकायतकर्ताओं से उनका व्हाट्सएप नंबर लिया जाएगा. सनहा अगर एफआईआर लायक नहीं लगता है, तो भी पुलिस को जांच रिपोर्ट आवेदक को उपलब्ध करानी होगी. इस संबंध में डीआईजी सह पटना के एसएसपी राजीव मिश्रा ने जिले के पुलिस पदाधिकारियों को निर्देश दिए हैं. पटना एसएसपी ने एसपी सिटी और डीएसपी रैंक के पुलिस पदाधिकारियों के साथ अपराध के मुद्दे पर बैठक की. एसएसपी राजीव मिश्रा ने कहा कि सभी पुलिस पदाधिकारी हर हाल में यह सुनिश्चित करें कि थाने में जानेवाले पीड़ितों को किसी भी तरह की परेशानी का सामना न करना पड़े. साथ ही समय पर उनकी समस्याओं का समाधान कर दिया जाए. उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि अगर किसी भी पीड़ित की ओर से इस संबंध में कोई शिकायत मिलेगी तो संबंधित पुलिस पदाधिकारी के खिलाफ जांच के बाद कार्रवाई की जाएगी. पटना के पुलिस कप्तान ने अफसरों को बीट पुलिसिंग पर भी ध्यान देने के निर्देश दिए. इसके अलावा उन्होंने थानों की गश्ती व्यवस्था को और भी चुस्त-दुरुस्त करने को कहा है. उन्होंने निर्देश दिया कि रात के समय पुलिस गश्ती में किसी भी प्रकार की कोताही न बरती जाए. गश्ती की भी मॉनिटरिंग करने की जरूरत है.

पहली बारिश में ही धंस गयी चार साल पहले बनी पुलिया, मोतिहारी में एक माह में दूसरा मामला

मोतिहारी, एजेंसी। मॉनूसन की पहली बारिश में ही चार से पहले बनी पुलिया धंस गयी. पूर्वी चंपारण जिले में हाल के दिनों में ऐसी यह दूसरी घटना है. मधुबन प्रखंड के लोहारगांवा गांव में बनी आरसीसी पुलिया शनिवार की देर शाम बारिश की वजह से ध्वस्त हो गई. इस पुलिया का निर्माण चार साल पहले ही हुआ था. हाल के दिनों में पूर्वी चंपारण जिले में पुल गिरने का यह दूसरा मामला है. वहीं, बिहार में बीते 20 दिनों के अंदर 13 पुल ध्वस्त हो चुके हैं. सरकार ने अब तक 17 इंजीनियरों को निलंबित भी कर दिया है. जानकारी के अनुसार मधुबन के लोहरगांवा में 14वें वित्त आयोग के अंतर्गत 2019 में करीब 2 लाख रुपये की लागत से आरसीसी पुलिया का निर्माण किया गया था, जो शनिवार को गिर गया. पुलिया ध्वस्त होने से लोहारगांवा ग्राम के सहनी टोला एवं अनुसूचित जाति टोला का सड़क संपर्क टूट गया. इससे करीब 400 लोगों की आबादी प्रभावित हुई है. ग्रामीणों नेबताया कि योजना के अभी पांच साल भी पूरे नहीं हुए. पुलिया ध्वस्त होने से लोग पगडंडी होकर आवागमन कर रहे हैं. गांव में बाइक भी नहीं पहुंच पा रही है. मुखिया कृष्णा देवी ने बताया कि समयावधि पूरी होने पर पुलिया निर्माण के लिए योजना में लिया जाएगा. इससे पहले बीते 22 जून को पूर्वी चंपारण जिलेके ही घोड़ासहन के अमवा में करीब 1.69 करोड़ की लागत से बना पुल ढलाई के बाद ही ध्वस्त हो गया था. बीते 18 जून से लेकर अब तक बिहार में कुल 13 पुल गिर चुके हैं. अकेलेसारण और सीवान जिले में इसी हफ्ते एक के बाद एक 6 पुल गिर गए थे. बिहार सरकार द्वारा राज्यभर के पुलों का निरीक्षण भी कराया जा रहा है. सरकार का दावा है कि जांच में दोषी पाए जानेवाले अफसरों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी और पुलों की लागत ठेकेदारों से वसूल की जाएगी.

चिराग पासवान मिले सीएम नीतीश कुमार से, नौकरी और गिरते पुल के मुद्दे पर हुई चर्चा

पटना, एजेंसी। केंद्रीय मंत्री और लोजपा रामविलास के प्रमुख चिराग पासवान ने रविवार को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से मुलाकात की. उन्होंने सीएम नीतीश कुमार से मिलकर बिहार में चल रहे विकास कार्यों पर चर्चा की. चिराग पासवान सरकारी नौकरी के मुद्दे पर भी मुख्यमंत्री से चर्चा की और आगामी नियुक्ति को लेकर किन किन विभागों में काम चल रहा है इसकी जानकारी ली. नरेंद्र मोदी सरकार में मंत्री बनने के बाद चिराग की सीएम नीतीश कुमार से यह पहली मुलाकात है.

केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने रविवार को सोशल मीडिया पर पोस्ट कर सीएम से मुलाकात की तस्वीरें साझा की हैं. उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से उनके आवास पर भेंट कर उनका आशीर्वाद लिया. इन दिनों बिहार में निर्माणाधीन पुल गिरने की घटनाएं सामने आ रही हैं, इसको लेकर भी सीएम के सामने उन्होंने अपनी चिंता व्यक्त की. बिहार में बीते 20 दिनों के भीतर बारिश की वजह से विभिन्न जिलों में 13 पुल ध्वस्त हो चुके हैं. यह मुद्दा बिहार ही नहीं बल्कि देशभर में चर्चा का विषय बना हुआ है. विपक्ष नीतीश और मोदी सरकार पर हमलावर है. वहीं, अब एनडीए के सहयोगी दल भी सीएम नीतीश पर कार्रवाई का दबाव बनाने लगे हैं. हालांकि, पिछले दिनों जल संसाधन और ग्रामीण कार्य विभाग ने कार्रवाई करते हुए पुल गिरने के दोषी 17 इंजीनियरों को सस्पेंड कर दिया था.

इसके साथ ही चिराग पासवान ने कहा कि सीएम नीतीश कुमार के द्वारा 2014 में बिहार चौकीदार संवर्ग नियमावली बनाई थी. इसमें दफादार अथवा चौकीदारों के आश्रितों की बहाली का प्रावधान किया गया था. इस नियमावली के तहत साल 2023 तक आश्रितों की बहाली होती रही है. पहले से रिटायर्ड और रिटायर होनेवाले चौकीदारों के आश्रितों की बहाली एवं स्वेच्छिक सेवानिवृत के शेष आश्रितों की नियुक्ति पत्र अभी तक जारी नहीं किए गए, जबकि एक-दो जिलों में सरकार ने नई बहाली की प्रकिया शुरू कर दी है, जो चिंताजनक विषय है. चिराग ने सीएम नीतीश कुमार से कहा कि उनकी पार्टी लोजपा रामविलास की मांग है कि इस प्रक्रिया को पूर्व की तरह फिर से बहाल कर दिया जाए. उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री ने इन सभी मुद्दों पर संबंधित विभागों द्वारा जल्द से जल्द कार्यवाही का आश्वासन दिया है.

हिंदू होकर 14 साल में की 5 शादियां, चौथी पत्नी ने खोला पांचवीं शादी का राज

आरा, एजेंसी। बिहार में एक सीआरपीएफ जवान ने 14 वर्षों में 5 शादियां की. किसी पत्नी को सौतन होने की खबर थी, लेकिन पिछले दिनों एक पत्र ने उसका राज उजागर कर दिया. धर्मपत्नी के जीवित रहते हुए एक से अधिक विवाह करने का आरोप सिपाही हरेंद्र राम पर लगा है. सिपाही पर यह आरोप उसकी चौथी पत्नी ने लगाया है. चौथी पत्नी को जब अपने पति के इन कारनामों की भनक लगी तो उसने परिवार न्यायालय में शिकायत दर्ज कराई. दर्ज शिकायत में कहा गया है कि हिंदू विवाह परंपरा और कानूनों का उल्लंघन करते हुए हरेंद्र ने इन शादियों के बारे में न तो अपनी पूर्व की पत्नियों को कोई जानकारी दी और न ही नियोक्ता को इसकी सूचना है. अदालत में दायर याचिका में हरेंद्र की चौथी पत्नी ने उसकी अब तक हुई सभी शादियों की जानकारी दी है. इसके हिसाब से उसने साल 2008 से लेकर 2021 के बीच यह पांच शादियां कीं. पहली शादी साल 2008, फिर 2010 में दूसरी शादी, साल 2014 में तीसरी और 2017 में चौथी शादी रचाने के बाद उसने अंतिम शादी 2021 में की. चौथी पत्नी ने सीआरपीएफ की बटालियन बी/09 को चिट्ठी लिखकर शिकायत दर्ज कराई थी, जिसके आधार पर हरेंद्र पर विभागीय जांच हो रही है. चिट्ठी के हिसाब से सिपाही हरेंद्र ने कानूनों का उल्लंघन किया है. इसके लिए उसे हिंदू विवाह अधिनियम- 1955, सिविल सेवा (आचरण) नियमावली-1964 और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल अधिनियम 1949 के तहत अपराधी माना गया है. हरेंद्र ने इन नियमों और अधिनियमों में दर्ज आदेशों और की अवज्ञाओं का उलंघन किया है.

जवान का कारनामा तब सामने आया, जब चौथी पत्नी की एक चिट्ठी सोशल मीडिया में वायरल होने लगी. इस चिट्ठी में जवान की करतूतों के बारे में बताया है कि कैसे उसने पहली पत्नी को धोखे में रखकर दूसरी, तीसरी और चौथी शादियां रचाई. चौथी पत्नी ने पति की पांचवीं के बाद यह राज खोला है. शादी करने के कारण चर्चा में आए हरेंद्र राम का चिट्ठी में गांव या मोहल्ले का जिक्र नहीं किया गया है, लेकिन आरा कोर्ट के वकील इसे सही बता रहे हैं.

अब ट्रेनों में टीटीई नहीं कर सकेंगे मनमानी, क्यूआर कोड से यात्री का काम ऐसे होगा आसान

पटना, एजेंसी। अब रेलवे स्टेशन और ट्रेनों में टीटीई की मनमानी नहीं चलेगी. कोई टीटीई अगर निजी स्वार्थ के कारण किसी यात्री को जानबूझकर परेशान करते हैं. तो वे तुरंत पकड़े जायेंगे. रेलवे ने इस तरह की घटना व शिकायतों पर नियंत्रण करने के लिए ऑपरेशन ब्लैक बॉक्स की शुरुआत की है. सोनपुर रेल मंडल की तरफ से शनिवार को मुजफ्फरपुर जंक्शन पर ऑपरेशन ब्लैक बॉक्स से संबंधित एक क्यूआर कोड सभी जगहों पर लगा दिया है.

इसके जरिए टीटीई को अपनी ड्यूटी, टिकट जांच व जुर्माना वसूली आदि का पूरा ब्योरा पोर्टल पर अपलोड करना है. उन्हें अपनी तस्वीर भी पोस्ट करनी है. इसके जरिए कम से कम दो दिन का ब्योरा अपलोड करना अनिवार्य किया गया है. सोनपुर रेल मंडल के सीनियर डीसीएम रौशन कुमार ने बताया कि एयरपोर्ट की तर्ज पर ऑपरेशन ब्लैक बॉक्स चलाया जा रहा है. इसे लेकर एक विशेष क्यूआर कोड तैयार कराया गया है, जिसे मुजफ्फरपुर समेत सोनपुर रेल मंडल के अधीन सभी छोटे-बड़े स्टेशनों पर लगाया गया है. जहां बाकी है, उन स्टेशनों पर भी आने वाले दिनों में लगा दिया जाएगा. सीनियर डीसीएम ने बताया

कि क्यूआर कोड से रेलवे के अधिकारी के साथ आम यात्री भी टिकट चेकिंग की जानकारी और पूरा ब्योरा ले सकते हैं. क्यूआर कोड स्कैन करने पर पता चलेगा कि कौन टीटीई कहां, कितने यात्रियों को टिकट निर्गत किया. साथ ही किस स्टेशन पर टिकट जांच अभियान चलाया जा रहा है, उसकी भी जानकारी मिलेगी. टीटीई बड़े स्टेशनों पर टिकट चेकिंग तो करते हैं, लेकिन छोटे-छोटे स्टेशनों पर टिकट चेकिंग नहीं हो पाती, जिसका फायदा बिना टिकट यात्रा करने वाले यात्री उठाते हैं. इससे रेलवे को राजस्व का नुकसान होता है. अब ऑपरेशन ब्लैक बॉक्स से टीटीई को अपनी भौतिक स्थिति की जानकारी अपलोड करनी होगी, जिसकी निगरानी मुख्यालय से की जाएगी.

बिहार के रोहतास और औरंगाबाद में ये बाइपास जानिए कबतक बनेंगे, मोहनिया-चौसा नेशनल हाइवे की भी आयी जानकारी

पटना, एजेंसी। बिहार में रोहतास जिला के दावथ और नासरीगंज सहित औरंगाबाद जिला के दाउदनगर में बाइपास बनाये जायेंगे. इसके साथ ही मोहनिया से चौसा एनएच का निर्माण होगा. इन सभी सड़कों का निर्माण 2025 तक पूरा होने की संभावना है. दावथ, नासरीगंज और दाउदनगर बाइपास का निर्माण एनएच-120 को कनेक्टिविटी देने के लिए किया जायेगा. फिलहाल इन सभी बाइपास के निर्माण के लिए जमीन अधिग्रहण की प्रक्रिया अंतिम चरण में है. इन सड़क प्रोजेक्ट का मकसद दावथ, नासरीगंज और दाउदनगर में लगने वाली जाम से छुटकारा दिलाना और लोगों को बेहतर यातायात सुविधा दिलाना है. बाइपास बनने से गाड़ियों का आवागमन शहरों के बाहर से होगा. इसके साथ ही भोजपुर-डुमरांव-दाउदनगर एनएच-120 पर लोगों को आवागमन में सुविधा होगी. इन बाइपास का निर्माण 2025 में पूरा होने की समयसीमा है. एनएच 319ए का निर्माण दो चरणों में होना है. इसमें पहले चरण में मोहनिया से चौसा तक करीब 45 किमी लंबाई में दो लेन की सड़क का

निर्माण हो रहा है. इसे 2025 तक पूरा होने की संभावना है. इसी एनएच के दूसरे खंड में चौसा से बक्सर के बीच फोरलेन सड़क का निर्माण होना है.

यह सड़क बक्सर शहर के दक्षिण से होते हुए लालगंज के सामने बक्सर-इटाढ़ी रोड को पार करते हुए कथकौली गांव के पास पटना-बक्सर एनएच 922 से मिल जाएगी. इसका निर्माण पूरा होने के बाद पटना, बिक्रमगंज, दिनारा, कोचस और मोहनिया की तरफ से आने-जाने वाले वाहन बिना बक्सर शहर में प्रवेश किए आगे का सफर तय कर सकेंगे. इससे बक्सर शहर में जाम की समस्या का समाधान हो सकेगा. मुजफ्फरपुर बाइपास का काम भी तेजी से करने का निर्देश दिया गया है. इस बाइपास का निर्माण कार्य इस साल ही पूरा हो जाने की संभावना है. इस बाइपास के बनने से मुजफ्फरपुर शहर पर से ट्रैफिक का दवाब कम होगा और पटना से नेपाल, पूर्णिया व गोपालगंज होकर यूपी जाने में भी सहूलियत होगी.

वन मंत्रालय को बिहार में जमीन के बदले चाहिए जमीन, 50 हजार करोड़ की सड़क परियोजना अधर में

पटना, एजेंसी। वन एवं पर्यावरण मंत्रालय की ओर से लगायी गयी नयी शर्त के कारण बिहार में 50 हजार करोड़ की सड़क परियोजनाएं अटक गयी हैं. इन परियोजनाओं पर काम शुरू करने के लिए तत्काल 650 हेक्टेयर गैर वन भूमि की जरूरत है. जिसके लिए बड़े पैमाने पर वन भूमि की जरुरत है. वन एवं पर्यावरण मंत्रालय ने वन भूमि के उपयोग के बदले राज्य सरकार के सामने गैर वन भूमि देने की शर्त रख दी है. वन एवं पर्यावरण मंत्रालय की इस शर्त के आगे बिहार सरकार बेवश है. इस शर्त ने राजमार्ग निर्माण की रफ्तार रोक दी है. वन एवं पर्यावरण मंत्रालय की ओर से इस शर्त को रखे जाने के कारण बिहार में 50 हजार करोड़ की सड़क परियोजनाएं अधर में लटक गई हैं. बिहार सरकार का कहना है कि बिहार जैसे सघन आबादी वाले राज्य में इस नियम का पालन होने पर सड़क निर्माण ही नहीं हो सकता है.

बिहार सरकार का कहना है कि इतनी जमीन मुहैया कराना उसके लिए संभव नहीं है. पहले सड़क निर्माण में वन भूमि का उपयोग किया जाता था, तो गैर वन भूमि देने की बाध्यता नहीं थी. पूर्व के नियमानुसार जितने पेड़ों की कटाई होती थी, उसकी दोगुनी संख्या में पेड़ लगाने के लिए पैसे देने पड़ते थे. इसके अलावा शुद्ध वर्तमान दर (नेट प्रेजेंट वैल्यू) के अनुसार सरकार को साढ़े छह लाख प्रति हेक्टेयर की दर से नकद राशि जमा करनी पड़ती थी, लेकिन अब केन्द्र सरकार के वन मंत्रालय ने इसमें एक नई शर्त जोड़ दी है. पेड़ लगाने का पैसा और नकद राशि के साथ ही यह नियम बना दिया गया कि जितनी वन भूमि का उपयोग होगा, उतनी (समतुल्य) जमीन सरकार को उपलब्ध करानी होगी, ताकि वहां हरित क्षेत्र विकसित किया जा सके. हालांकि इस शर्त का बिहार सरकार पहले ही विरोध कर चुकी है.

देश के अन्य राज्यों की तुलना में बिहार में सड़क निर्माण के लिए पहले से ही जमीन मिलने में परेशानी हो रही है. ऐसे में वन भूमि के बदले गैर वन भूमि कहां से और कैसे दी जा सकती है. अगर इस शर्त का पालन किया जाए तो बिहार में सड़क निर्माण का काम अटक जाएगा. राज्य सरकार का यह भी कहना हैकि जिन सड़क परियोजनाओं को परिवेश पोर्टल पर नए नियम के लागू होने के पहले अपलोड कर दिया गया है, उस पर इस शर्त को लागू नहीं किया जाए, लेकिन वन विभाग केंद्र को भेजी गई तमाम सड़क परियोजनाओं पर इस नियम को लागू कर रहा है.

नई शर्त में राज्य की कई परियोजनाएं अटक गई है. वाराणसी-कोलकाता छह लेन एक्सप्रेस वेके लिए 140.71 हेक्टेयर जमीन की आवश्यकता है. आरा-सासाराम के लिए 28.89 हेक्टेयर तो सरवन-चकाई के लिए 19.87 हेक्टेयर जमीन की आवश्यकता है. एनएच 227ए मेहरौना घाट सेसीवान (रामजानकी मार्ग) के लिए 24.13 हेक्टेयर जमीन की आवश्यकता है.

STONE CLINIC MOTIHARI

स्टोन क्लिनिक मोतिहारी

शास्त्री नगर, महिला कॉलेज रोड, मोतिहारी, बैंक रोड, राजेश्वरी पैलेस होटल के पूरब वाली गली में

विकास कार्यों को गति देकर जिला को अग्रणी बनाएं पदाधिकारी: प्रभारी मंत्री

बीएनएम। मोतिहारी

जिला प्रभारी मंत्री पूर्वी चंपारण सह शिक्षा मंत्री बिहार सरकार सुनील कुमार के द्वारा रविवार को शहर के समाहरणालय स्थित राजेंद्र प्रसाद सभा भवन में जिला स्तरीय पदाधिकारी के साथ सरकार की संचालित योजनाओं की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए कहा कि पदाधिकारी विकास के कार्यों को गति देकर उसे निर्धारित समय सीमा के अंदर पूर्ण करायें ताकि पूर्वी चंपारण जिला अग्रणी जिला बन सके। समीक्षा बैठक में उपस्थित सभी जनप्रतिनिधि एवं पदाधिकारी को संबोधित करते हुए प्रभारी मंत्री ने सर्वप्रथम लोकसभा निर्वाचन- 2024 को अच्छे से संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन की पूरी टीम को धन्यवाद दिया गया। इस अवसर पर प्रभारी मंत्री ने कहा कि पदाधिकारी आम जनता और जनप्रतिनिधियों के प्रति संवेदनशील रहे और प्राप्त शिकायतों का त्वरित समाधान करें। कहा कि पूर्वी चंपारण जिला बाढ़ प्रवण क्षेत्र है। बाढ़ की स्थिति पर लगातार नजर रखी जाए। सरकार की मानक संचालन प्रक्रिया के अनुरूप बाढ़ प्रबंधन की तैयारी की जाए। सभी संवेदनशील इलाकों में पेट्रोलिंग कराई जाए और यह व्यवस्था सुनिश्चित कराई जाए की बाढ़ की स्थिति में प्रभावित परिवार को सरकार की सहायता शीघ्र मिल जाए। उन्होंने कहा कि बाढ़ के समय में रिस्पांस टाइम का बहुत महत्व होता है और इसकी तैयारी रखनी होगी। उन्होंने माइक्रो लेवल तक कम्युनिकेशन प्लान बना लेने की बात कही ताकि जरूरत पड़ने पर सभी जगह चीज आसानी से पहुंच जाए। माननीय प्रभारी मंत्री ने कहा कि अग्निकांड और ठनका के पीड़ित परिवार को शीघ्र लाभ उपलब्ध करा दी जाय और उन्हें पीएम आवास या सीएम आवास योजना से प्राथमिकता के साथ अच्छादित किया जाए। उन्होंने सामाजिक सुरक्षा पेंशन से संबंधित योजनाओं,राशन कार्ड, मनरेगा जॉब कार्ड एवं श्रमिक पंजीकरण से लोगों को अधिक से अधिक जोड़ने की बात कही। बाहर के प्रदेशों में कार्य करने वाले श्रमिकों के पंजीकरण के लिए कैंप मोड में कार्य करने तथा बिजली बिल सुधारने के लिए प्रखंड स्तर पर कैंप लगाने की बात कही गई। माननीय मंत्री ने कहा कि इससे बहुत सी समस्याओं का हल स्वतःनिकल जाएगा। धार्मिक स्थल अरेराज में भीड़ प्रबंधन हेतु आकस्मिक योजना बना लेने की बात कही गई। माननीय मंत्री के द्वारा मद्य निषेध के बड़े मामलों में स्पीडी ट्रायल चलाकर मामलों का निपटारा करने का निर्देश दिया गया। बैठक के प्रारंभ में पावर प्वॉइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से उप विकास आयुक्त (प्रभारी) सह नगर आयुक्त नगर निगम मोतिहारी के द्वारा सभी विभागों की सरकार द्वारा संचालित योजनाओं की उपलब्धि बताई गई। इसके पश्चात उपस्थित सांसद, सभी विधायक, विधान पार्षद ने अपने-अपने क्षेत्र की विकास से संबंधित मांगों को रखा और इसकी सूची उपलब्ध कराई। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने कहा कि जिले में विकास के लिए अगले 6 माह में पेयजल, सड़क, ब्रिज, स्वास्थ्य केंद्र, मेडिकल कॉलेज और रक्सौल में एयरपोर्ट के लिए तेजी से कार्य होना है। मेडिकल कॉलेज के लिए 25 एकड़ जमीन चिन्हित कर सरकार को प्रस्ताव भेज दिया गया है। इसी माह 10 जुलाई को रक्सौल में एयरपोर्ट के निर्माण हेतु उच्च स्तरीय बैठक रखी गई है। जिलाधिकारी ने कहा की समीक्षा बैठक में जो भी निर्णय लिया गया है और जिन समस्याओं के बारे में माननीय जनप्रतिनिधि गण के द्वारा बताया गया है उसे पर तत्परता के साथ कार्रवाई करने के लिए संबंधित विभागीय पदाधिकारी को निर्देश दिया जाएगा एवं अगली बैठक में इन सभी बिंदुओं पर कृत कार्रवाई से संबंधित प्रतिवेदन उपलब्ध कराया जाएगा। उक्त समीक्षा बैठक में मंत्री गन्ना उद्योग विभाग कृष्णनंदन पासवान, सांसद पश्चिमी चंपारण डॉक्टर संजय जायसवाल, सांसद शिवहर लवली आनंद, विधायक श्री प्रमोद कुमार सिंह, राणा रणधीर, श्याम बाबू प्रसाद यादव, शालिनी मिश्रा, सुनील मणि तिवारी, लाल बाबू प्रसाद गुप्ता, माननीय विधान पार्षद डॉ. खालिद अनवर, जिला परिषद अध्यक्ष ममता राय, जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल,अपर समाहर्ता मुकेश कुमार सिंह, नगर आयुक्त सौरभ सुमन यादव, सभी अनुमंडल पदाधिकारी सहित सभी जिला स्तरीय पदाधिकारी एवं कार्य विभाग के कार्यपालक अभियंता उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

केंद्रीय राज्य मंत्री सतीश चन्द्र दुबे का बगहा आगमन पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने स्वागत किया

बीएनएम। पश्चिम चंपारण(बगहा)। केंद्र सरकार के कोयला एवं खनन राज्य मंत्री सतीश चन्द्र दुबे का बगहा आगमन पर जिला भाजपा बगहा के कार्यकर्ताओं ने फूल माला पहनाकर जबरदस्त स्वागत किया। बगहा पुलिस जिला के इंगलिसिया में जैसे ही केंद्रीय मंत्री के गाड़ियों का काफिला प्रवेश किया। वहीं इंग्लिशिया चौक पर, ग्रामीण क्षेत्रों के कार्यकर्ताओ ने भारी संख्या में बगहा विधायक श्रीराम सिंह के नेतृत्व में माला पहनाकर केंद्रीय मंत्री का स्वागत किया। फिर उसके बाद परसौनी चौक पर मंडल अध्यक्ष बृजेश प्रसाद गुप्ता, सुदामा खरवार, विनोद सिंह के नेतृत्व में सैकड़ों लोगों ने अपने नेता का अभिनंदन किया। चौतरवा चौक पर भाजपा अध्यक्ष आशुतोष मालवीय प्रमोद प्रसाद काजू, श्रीकांत हालदार के साथ ग्रामीण क्षेत्रों के महिला पुरुष उत्साह पूर्वक अपने नेता का एक झलक पाने को बेताब दिखे।

पश्चिम चंपारण ज़िला के सीमावर्ती इलाकों में भारी बारिश, नदियों के जलस्तर में बढ़ौतरी से पलायन शुरू

बीएनएम। बेतिया। पश्चिम चंपारण जिला मे पिछले चार-पांच दिनों से नेपाल एवं नेपाल के तराई क्षेत्रों में लगातार हो रही भारी बारिश के कारण पश्चिम चंपारण की गंडक मसान सिकरहना सहित प्राय सभी पहाड़ी नदियां भारी उफान पर है, जिसके कारण आसपास के ग्रामीणों में दहशत का माहौल है और लोग सुरक्षित स्थानों की ओर पलायन कर रहे हैं। गंडक नदी के जल स्तर में लगातार हो रही भारी वृद्धि के कारण गंडक विभाग द्वारा बाल्मीकि नगर गंडक ब्राज के सभी 36 फाटक खोल दिए गए हैं। वहीं पश्चिम चंपारण की पगली नदी कहे जाने वाले मसान नदी ने विकराल रूप धारण कर लिया है। रामनगर प्रखंड में मस्तान नदी पानी गुदगुदी पंचायत के हरपुर गांव सहित करीब गांव में घुस गया है और ग्रामीण की ओर पलायन कर रहे हैं। पश्चिमी चंपारण में गंडक नदी के जलस्तर में वृद्धि के बाद पश्चिम चंपारण के निचले इलाकों में पानी प्रवेश कर तबाही मचाने लगा है. पश्चिम चंपारण के कुछ इलाकों में बाढ़ जैसे हालात बनते दिख रहे हैं. आने वाले दिनों में अन्य प्रखंडों में भी बाढ़ जैसी स्थिति उत्पन्न हो सकती है। वहीं बगहा दो प्रखंड के लक्ष्मीपुर रमपुरवा पंचायत के चकदहवा, झंडू टोला, बिन टोली, कानी टोला के साथ ही पिपरासी प्रखंड के सेमरा लबेदहा, बलुआ ठोरी और मंझरिया के गांवों में गंडक नदी का पानी घुसने लगा है. कई परिवार गांव छोड़कर सुरक्षित स्थानों तक पहुंच गया है. वहीं कई परिवार पानी से खुद को बचाते हुए जद्दोजहद कर रहा है. पश्चिम चंपारण के डीएम दिनेश कुमार राय ने सभी ब्लॉक के सीओ और बीडीओ को प्रभावित गांवों में कैंप कर हालात पर नजर रखने का निर्देश दिया है. वहीं निचले इलाकों से तेजी से लोगों को सुरक्षित स्थान तक पहुंचा जा रहा है. हालांकि ताजा अपडेट के अनुसार गंडक नदी का जलस्तर फिलहाल स्थिर है. 4 लाख 40 हज़ार क्यूसेक पानी का डिस्चार्ज जारी है. वहीं वाल्मीकिनगर में नेपाल की अन्य नदियों का जलस्तर स्थिर. वहीं इससे पहले गंडक बराज पर नदी का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है।

नेपाल के वीरगंज में निकली गहवा माई की भव्य रथ यात्रा

बीएनएम। पूर्वी चंपारण

जिले से सटे नेपाल के बीरगंज शहर स्थित प्रसिद्ध शक्तिपीठ गहवा माई मंदिर से रविवार को भव्य रथयात्रा निकाली गई। रथ यात्रा में नेपाल के साथ-साथ भारत के कई जिलों के हजारों श्रद्धालुओं ने भाग लिया। रथ यात्रा रक्सौल से सटे बीरगंज के गहवा माई से निकाली गई। प्राचीन मंदिर के नए भवन के निर्माण के 12 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य पर इस रथ यात्रा का आयोजन किया गया। भगवान जगन्नाथ पुरी मंदिर के तर्ज पर पिछले साल से रथ यात्रा निकाली जाती है। जिसमे भारत नेपाल सीमावर्ती क्षेत्र सहित दूर दूर से लोग इस भव्य रथ यात्रा में शामिल होते है। गहवा माई मंदिर ट्रस्ट के लोगों ने बताया कि पुरी के भगवान जगन्नाथ के रथ यात्रा से प्रेरित हो कर उसी तर्ज पर पिछले साल से रथ यात्रा निकाली जा रही है। जिसमे हजारों लोग भाग ले रहे है। इस रथ यात्रा में भाग लेने के लिए रक्सौल से भी हजारों के संख्या में श्रद्धालु पहुचे। शीसम व सखुआ की लकड़ी से बने इस रथ को बिल्कुल पूरी के जगन्नाथ मंदिर रथ जैसा इसका आकार दिया गया है। इस रथ को श्रद्धालुओं के द्वारा ही खिंच कर पूरे नगर का भ्रमण कराया गया।रथ यात्रा की सुरक्षा को लेकर बड़े पैमाने पर नेपाल पुलिस व आर्म्ड फोर्स की तैनाती की गई थी। जो

रथ यात्रा मार्ग के सभी चौक चौराहे की निगरानी कर रहे थे।वही जगह जगह रथ यात्रा पर पुष्प वर्षा की जा रही थी। इसके अलावा यात्रा में शामिल श्रद्धालुओं के लिए चौक चौराहे पर शीतल पेय जल का प्रबंध किया गया था।एक अनुमान के अनुसार रथ यात्रा में भारत और नेपाल के करीब एक लाख से ज्यादा श्रद्धालुओ ने हिस्सा लिया।

मोतिहारी में चार साल पूर्व बनी पुलिया हुयी ध्वस्त

बीएनएम। पूर्वी चंपारण

बिहार में पुल और पुलियों के टूटने और गिरने का सिलसिला जारी है। इस बार पूर्वी चंपारण के मधुबन प्रखंड के लोहरगांव गांव में करीब दो लाख रुपये की लागत से बनी आरसीसी पुलिया भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गयी। इस पुलिया का निर्माण 14वीं वित्त आयोग के अनुशंसा पर 2019 में करीब 200000 की लागत से कराया गया था। जो महज कुछ ही घंटे की बारिश में ध्वस्त होकर जमींदोज हो गयी। इस पुलिया के ध्वस्त होने से लगभग 500 से ज्यादा की आबादी सीधे तौर पर प्रभावित हुई है,जिसमे ज्यादातर अनुसूचित जाति और अति पिछड़े समाज के लोग शामिल है। जिनका गांव के अन्य टोलो से संपर्क भंग हो चुका है। लोहारगांवा के लोगों ने कहा कि इस पुलिया के टूट जाने से हम सभी काफी परेशान हैं ।पुलिया टूट जाने से एक व्यक्ति की हाथ भी टूट गया है।वहीं अगर पुल निर्माण नहीं हो पाया तो आने वाले दिनो में विशेष कर बरसात के मौसम में हम सभी को काफी परेशानी का सामना करना पड़ेगा।

गंडक नदी का बढ़ा जलस्तर पूछरिया गांव का सड़क संपर्क टूटा

बीएनएम। पूर्वी चंपारण

गंडक नदी का जलस्तर बढ़ने से संग्रामपुर प्रखंड के पुछरिया गांव का सड़क संपर्क भंग हो गया है। रविवार को संग्रामपुर बाजार से पुछरिया गांव को जोड़ने वाली सड़क पर प्रभु टोला के समीप लगभग दो फीट पानी बह रहा है । पूर्व पंसस विनोद सिंह ने बताया कि देर शाम तक इस सड़क पर आवागमन पूरी तरह ठप्प हो जायेगा। जिसके बाद ग्रामीणों को नाव ही एक मात्र सहारा होगा। लोगो ने बताया सड़क पर पानी हो जाने से पुछरिया बाबू टोला ,तिवारी टोला व मलाही टोला के करीब दस हजार की आबादी का संग्रामपुर बाजार से सड़क संपर्क बाधित हो गया हैं। गांव के निचले इलाके के लोग चंपारण तटबन्ध पर मवेशियों के साथ पलायन कर रहे है । अरेराज एसडीएम अरुण कुमार ,सीओ ,बीडीओ ने पुछरिया बाबू टोला के समीप बढ़ रहे जलस्तर का जायजा लिया । प्रशासन के द्वारा लोगो को बढ़ रहे जलस्तर से सावधानी बरतने ऊंचे स्थान पर रहने की सलाह दिया जा रहा है। जल संसाधन विभाग के जेई राकेश रंजन ने बताया कि चंपारण तटबंध पर पूरी चौकसी बरती जा रही है,जहां कही भी रेन कट है उसको दुरुस्त कर दिया गया हैं। इसके साथ ही बोरी में बालू भर स्टॉक किया गया है,ताकि आपात स्थिति को देखते हुए इसका प्रयोग किया जा सके। वाल्मीकीनगर गंडक बराज से रविवार की सुबह दस बजे 4 लाख क्यूसेक पानी डिस्चार्ज किये जाने के बाद डुमरिया घाट पर गंडक नदी खतरे के निशान से उपर बह रही है।

वाल्मीकि नगर के झंडावाटोला एसएसबी कैंप समेत आधा दर्जन गांव में घुसा गंडक नदी के बाढ़ का पानी

- ग्रामीण चकदहवा विद्यालय व बांध पर ले रहे हैं,शरण
- नेपाल में भारी बारिश से गंडक नदी उफान पर, एसएसबी कैंप सहित गांव में घुसा बाढ़ का पानी

बीएनएम। पश्चिम चंपारण(बगहा)

वाल्मीकिनगर समेत नेपाल के जल ग्रहण वाले क्षेत्रों के पोखरा ,नारायण घाट,देवघाट आदि जगहों पर पिछले 84 घंटा से रुक रुक कर हो रही भारी बारिश के कारण वाल्मीकिनगर में गंडक नदी उफान पर है। जल स्तर बढ़ने के कारण वाल्मीकि व्याघ्र परियोजना के जंगलों में पानी भरने लगा है। वही एसएसबी के झंडाहवा टोला कैंप के साथ-साथ चकदाहवा,कान्ही टोला एवं बीन टोली,ठाढी एसएसबी बीओपी आदि गांव में बाढ़ का पानी घुस गया है। लगभग 600 घर में पानी देर रात में घुसने के बाद लोगों का जीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। जिसके चलते बाढ़ का पानी एसएसबी कैंप सहित गांव में लगभग 3 फीट बाढ़ का पानी घुस गया है। पानी बढ़ने के साथ ही लोग अपने माल -जाल के साथ चकदहवा विद्यालय तथा ऊंचे बांध पर शरण लेने लगे हैं। एसएसबी 21 वी वाहिनी झंडूटोला के इंस्पेक्टर सह कंपनी कमांड़र सुरेश कुमार ने बताया कि गंडक नदी का जलस्तर शनिवार की देर रात से अचानक से बढ़ने लगा, जिसके चलते बाढ़ का पानी एसएसबी कैंप के साथ-साथ गांव में प्रवेश कर गया। लोगों को सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाने के लिए कवायद शुरू कर दी गई है। उन्होंने बताया कि एसएसबी कैंप में बाढ़ का पानी आने के कारण नाव से जवानों की आवा जाई और गस्ती की जा रही है। शनिवार की देर रात गंड़क बराज से छोड़ा गया 3 लाख 65 हजार 200 क्यूसेक पानी तो वही गंडक बराज से रविवार की सुबह 4 लाख 41 हजार क्यूसेक पानी गंडक नदी में छोड़ा गया है, जिससे गंडक नदी का जल स्तर पश्चिमी चंपारण के दियारावर्ती इलाकों में बढ़ने की संभावना है। जिला प्रशासन ने दियारावर्ती प्रखंडों के अधिकारियों को सचेत कर दिया है। प्रशासन पूरी तरह से अलर्ट है। गंडक बराज के कार्यपालक अभियंता सियाराम पासवान ने बताया कि नेपाल के जल ग्रहण वाले क्षेत्रों में लगभग चार दिनों से रुक रुक कर भारी बारिश हो रही है, जिसके चलते नारायणी नदी का जलस्तर काफी बढ़ गया है। नारायणी नदी वाल्मीकिनगर के त्रिवेणी में आकर सोनभद्र तथा तमसा नदी मिलती है। तीनों नदियां एक साथ मिलकर गंडक नदी हो जाती है। तीनों नदियों में पहाड़ का पानी आता है। इससे गंडक का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है। बराज के सभी अभियंता और अधिकारी 24 घंटा बराज तथा पानी पर पैनी नजर रखे हुए हैं।समाचार प्रेषण तक गंडक नदी से 4,16000 क्यूसेक पानी छोड़ा गया था।

MADAN RAJ NURSING HOME
HOSPITAL ROAD MOTIHARI, (BIHAR)
Contact No.- 9801637890, 6200480505, 9113274254

80 के दशक में नहर पर बना पुल कभी भी हो सकता है ध्वस्त, केसरिया के ताजपुर पटखौलिया स्थित नहर पर बना है यह पुल

- जर्जर स्थिति में बड़ी घटना को दे रहा निमंत्रण
- लोगों ने इसके समानांतर एक नया पुल बनाने की मांग

बीएनएम। केसरिया। अमृतेश कुमार ठाकुर

बिहार में इन दिनों एक के बाद एक कई पुल ध्वस्त हुए हैं। जिससे संबंधित विभाग की जमकर किरकिरी हुई है। साथ हीं इससे संबंधित कई अधिकारियों पर विभागीय गाज भी गिरी है। क्षेत्र में भी कई ऐसे पुल-पुलिया हैं जो जर्जर स्थिति में है। ऐसे पुल-पुलिया कभी भी ध्वस्त हो सकते हैं। ऐसा ही एक पुल प्रखंड क्षेत्र के ताजपुर पटखौलिया स्थित नहर पर बना है। यह पुल ताजपुर पटखौलिया व मनोहर छपरा गाँव को सीधे तौर पर जोड़ता है। जो काफी जर्जर स्थिति में है। यह पुल कभी भी किसी बड़े हादसे को निमंत्रण दे रहा है। इसके साइड वाल पूरी तरह टूट गया है। वहीं पुल का सतह वाला भाग भी पूरी तरह जर्जर हो गया है। जो कभी भी ध्वस्त हो सकता है। बताया जाता है कि पूर्वी सुंदरापुर पंचायत के मनोहर छपरा, बढई टोला सहित करीब आधा दर्जन गाँव के सैकड़ों लोग के अलावा अन्य राहगीर प्रतिदिन इस पुल मार्ग से आगवगम करते हैं। वहीं ताजपुर व इधर के गाँव के लोग मुजफ्फरपुर जिले के विभिन्न जगहों पर जाने के लिए इस पुल मार्ग का उपयोग करते हैं। ये राहगीर बड़ी मुश्किल से इस पुल को पार करते हैं। राहगीर यदि सावधानी से इस पुल को पार नहीं करें तो दुर्घटना का शिकार होकर नहर में गिर सकते हैं। इस पुल की स्थिति पूरी तरह जर्जर हो चुकी है। जिसको बनाना संबंधित विभाग व जनप्रतिनिधि मुनासिब नहीं समझ रहे हैं। हाल के दिनों में बिहार में जिस तरह पुल ध्वस्त होने की घटना हुई है। शायद इस कड़ी में इस पुल के नाम से भी इंकार नहीं कर सकते। हालांकि सरकार ने 30 वर्ष से ज्यादा पुराने पुल-पुलिया की स्थिति जाँच कराने की बात कही है। ताजपुर पटखौलिया निवासी सेवानिवृत्त शिक्षक विश्वनाथ सिंह मधुप बताते हैं कि इस पुल का निर्माण 80 के दशक में हुआ था। इसके बन जाने से साहेबगंज जाने के लिए करीब पाँच किमी दूरी कम हो गई। लेकिन अब इस पुल से आवागमन करने में काफी डर लगता है। पुल जर्जर स्थिति में है। जिस पर संबंधित किसी अधिकारी व जनप्रतिनिधि का ध्यान नहीं है। वहीं ताजपुर पटखौलिया निवासी संजय कुमार यादव कहते हैं कि यह पुल ताजपुर पटखौलिया व मनोहर छपरा गाँव के विकास की एक कड़ी है। कई वर्षों से इसकी जर्जर स्थिति है। दिन-प्रतिदिन यह पुल अपने अंतिम दौर में जा रहा है। जिससे भविष्य में कभी भी दुर्घटना हो सकती है। इस जगह एक नया पुल बने ताकि लोगों को सहुलियत हो। समाजसेवी सह राजद नेता विनोद गुप्ता ने भी इस जगह नया पुल बनाने की मांग की है।

संक्षिप्त समाचार

पोखरा में डूबने से 13 किशोरी की मौत, शव बरामद

बीएनएम। हरसिद्धि। थाना क्षेत्र के ओलहां मेहता टोला पंचायत के वार्ड नंबर 10 में रविवार को लगभग दो बजे दिन मे ओलहां के गावं के रोहित ठाकुर की तेरह वर्षीय पुत्री गुडिया कुमारी को डूबने से मृत्यु हो गई। सूचना के बाद अंचलाधिकारी व हरसिद्धि पुलिस घटनास्थल पर तुरंत पहुंच कर गोताखोर के टीम बुलाया। लगातार सर्च अभियान के बाद शाम छः बजे शव बरामद हुआ। ततपश्चात शव को पोस्टमार्टम के लिए मोतिहारी भेज दिया गया। इधर घटना के बाद गुड़िया की मां का रो रो कर बुरा हाल है। गांव में मातमी सनाटा पसरा हुआ है। वही शोक संतप्त परिवार को स्थानीय मुखिया भागीरथ प्रसाद कुशवाहा ने सांत्वना दी।

प्राण प्रतिष्ठा एवं श्रीमद्भागवत कथा को लेकर निकाली गई कलश यात्रा

बीएनएम। हरसिद्धि। प्रखंड के मटियरिया पंचायत के रामायणी बाबा मठ मे प्राण प्रतिष्ठा महा यज्ञ को लेकर भव्य कलश यात्रा निकाली गई। गाजे- बाजे से सुसज्जित कलश यात्रा जिसमें भारी संख्या में कुंवारी कन्याओं के साथ महिलाएं भी शामिल थी। कलश यात्रा यज्ञ स्थल से निकलकर इंग्लिश मठलोहियार सहित कई गांव का भ्रमण करते हुए तिलावे नदी के घाट पर बाबा भानु नाथ आश्रम मठलोहियार पर पहुंची। जहां पर यज्ञाचार्य पंडित रामबाबू पाराशर, दिवाकर उपाध्याय, राज किशोर पाण्डेय, जितेंद्र उपाध्याय, नीरज मिश्रा, रामेश्वर पाण्डेय, ओमप्रकाश शास्त्री के वैदिक मंत्रोच्चार के बीच जलभर कर पुनः यज्ञ मंडप तक पहुंची। आचार्य रामबाबू पाराशर ने कहा यज्ञ की आयोजन से लोगों के धार्मिक विचार का संचार के साथ-साथ हवन व मंत्र के उच्चारण से वायुमंडल शुद्ध होता है। क्षेत्र में सुख शांति व समृद्धि आती है। 8 जुलाई सोमवार को पंचांग पूजन विधि पूजन के साथ प्रारंभ किया जाएगा। इस मौके पर यजमान राजकुमार चतुर्वेदी, एवं ग्रामीण जितेंद्र ठाकुर, जगदीश ठाकुर, ध्रुप पासवान, विक्की पासवान, रंजीत पासवान, युवा समाजसेवी सह प्रमुख पुत्र सह मनोज राम, विजय ठाकुर इत्यादि शामिल रहे।

बीते 24 घंटे में आकाशीय बिजली से प्रदेश में 10 लोगों की मौत

मुख्यमंत्री ने गहरी शोक संवेदना व्यक्त की

बीएनएम। पटना। पिछले 24 घंटे में वज्रपात से नौ जिलों में 10 लोगों की मौत हो गई। बिहार आपदा प्रबंधन विभाग के अनुसार नालन्दा में 02, वैशाली में 01, भागलपुर में 01, सहरसा में 01, रोहतास में 01, सारण में 01, जमुई में 01, भोजपुर में 01 एवं गोपालगंज में 01 व्यक्ति की मौत हुई है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने वज्रपात से मौतों पर गहरी शोक संवेदना व्यक्त की है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आपदा की इस घड़ी में वे प्रभावित परिवारों के साथ हैं। मुख्यमंत्री ने आज ही मृतक के परिजनों को चार-चार लाख रुपये अनुग्रह अनुदान देने के निर्देश दिये हैं। मुख्यमंत्री ने लोगों से अपील की है कि सभी लोग खराब मौसम में पूरी सतर्कता बरतें। खराब मौसम होने पर वज्रपात से बचाव के लिये आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा समय-समय पर जारी किये गये सुझावों का अनुपालन करें। खराब मौसम में घरों में रहें और सुरक्षित रहें।

अनुमंडल कृषि पदाधिकारी जगरनाथ प्रसाद राय को दी गई भावभीनी विदाई

बीएनएम। हरसिद्धि

प्रखंड परिसर स्थित ई किसान भवन में रविवार को विदाई समारोह आयोजित कर अनुमंडल कृषि पदाधिकारी जगरनाथ प्रसाद राय को विदाई दी गई। बता दें कि श्री राय की पदोन्नति हुई है। वे अब सहायक निदेशक रसायन विभाग पटना की कमान सम्भालेंगे। विदाई समारोह को संबोधित करते हुए श्री राय ने कहा कि हरसिद्धि के किसान मेहनती है। यहां के कृषि कर्मियों के द्वारा मिला सहयोग व स्नेह आजीवन नहीं भूलेंगे। उन्होंने कहा कि आप सभी ऊर्जावान है। आप सब के सहयोग की बदौलत यहां सभी कार्य ससमय पूरा कर बेहतर परिणाम दिया गया। वहीं श्री राय की पत्नी शिक्षिका अंजू कुमारी ने कहा कि उनके पति को जो प्यार यहां के कृषि कर्मियों एवं लोगों ने दिया है उसे सदा याद करेंगे। बीआरबीएन के डीलर अजय कुमार ने कहा कि श्री राय के नेतृत्व में बीज वितरण हमेशा आगे होता रहा है। वे एक कर्तव्यनिष्ठ पदाधिकारी रहे है। प्रखंड कृषि कर्मियो व बीआरबीएन के डीलर द्वारा श्री राय को अंगवस्त्र देकर विदा किया गया। समारोह की अध्यक्षता नोडल पदाधिकारी कृषि सुरेश प्रसाद व संचालन किसान सलाहकार बबुआकांत दास ने किया। मौके पर कृषि समन्वयक रामा प्रसाद सिंह, कृष्णा गुप्ता, प्रमोद कुमार, श्रवण प्रसाद, किसान सलाहकार देवेंद्रनाथ सिंह, रजनी रंजन नाथ सिंह, भारतेंदु प्रसाद, ठाकुर जयराम सिंह, संतोष सिंह, रंजन सिंह, धनंजय कुमार, विजय सिंह, साबिर आलम, अरविंद भारद्वाज, सुनीता कुमारी, नयन प्रसाद सिंह, संतोष पासवान, लव किशोर कुमार बीआरबीएन के डीलर श्रवण प्रसाद सहित अन्य उपस्थित थे।

अप्रोच पथ के समीप बढ़ा पानी का दबाव, टूट सकती है सड़क

बीएनएम। केसरिया

वाल्मीकिनगर बराज से छोड़े गये पानी से गंडक नदी के जलस्तर में वृद्धि होने लगी है। इस कारण गंडक तटवर्ती बसे लोगों को बाढ़ की चिंता सताने लगी है। हालांकि रविवार तक सत्तरघाट स्थित नदी का जलस्तर खतरे के निशान से नीचे था। वहीं चंपारण तटबंध के ढेकहाँ से मझरिया जाने वाली सड़क मार्ग स्थित पुलिया के पास पानी का दबाव बढ़ने लगा है। जिससे इस जगह अप्रोच पथ टूटने की संभावना जतायी जा रही है। इस जगह स्थित पुलिया बाढ़ के समय में विगत कई वर्षों से ध्वस्त हो जाता है। ग्रामीणों के सहयोग से इस जगह ह्यूम पाइप पर मिट्टी डालकर सड़क को चालू किया जाता है। इसके स्थायी समाधान की मांग को लेकर विगत लोकसभा चुनाव में ग्रामीणों ने वोट बहिष्कार का निर्णय लिया था। हालांकि नेताओं के अविलंब पुलिया निर्माण कराने के आश्वासन के बाद लोगों ने वोट किया। लेकिन इन सब के बावजूद अब तक इस जगह पुलिया निर्माण की दिशा में कोई कार्य नहीं हो सका है। अगर पुनः इस जगह सड़क टूटती है तो आशंका है कि करीब ढाई सौ परिवार वाले इस गाँव का सड़क संपर्क भंग हो सकता है। वहीं ढेकहाँ, कढान, बैरिया सहित अन्य नदी तटवर्ती गाँवों में नदी में कटाव शुरू हो गया है।

सेवानिवृत होने पर डॉ. (प्रो.)अनिल कुमार सिन्हा को किया गया सम्मानित

बीएनएम। रक्सौल

शिक्षक राष्ट्र निर्माता होता है, शिक्षक कभी सेवा निवृत्त नही होता, वो आखरी सांस तक अपनी शिक्षा का ज्ञान प्रदान करता रहता है। उक्त बातें रविवार को आर्य समाज के सभागार में सम्मान समारोह को सम्बोधित करते हुए डॉ. (प्रो.) अनिल कुमार सिन्हा ने कही। प्रो. सिन्हा ने कहा कि शिक्षक समाज के सभी वर्गों का प्रतिनिधित्व करता है और व्यक्तित्व का विकास करता है। प्रो सिन्हा ने कहा कि आज नैतिकता का ह्रास हो रहा है जो चिंता का विषय है। शिक्षक व्यक्ति निर्माण का केंद्र रहा है और रहेगा। वे भाव विभोर होकर कहा कि यह सम्मान मेरा नहीं बल्कि शिक्षा का सम्मान है। शिक्षा सिर्फ डिग्री नहीं देता है बल्कि समाज का केन्द्र बिन्दु रहता है। प्रो. सिन्हा ने अपने जीवन की अनेक प्रेरणास्पद घटनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि कष्ट में रहकर सामाजिक दायित्वों का निर्वहन और युवा पीढ़ी को संस्कारवान बनाना ही शिक्षक का लक्ष्य होता है। शिक्षा को सादर सम्मान समारोह का आयोजन प्रमुख समाजसेवी गुडडू सिंह, प्रो. मनीष दूबे ने प्रो.सिन्हा के विश्व विद्यालयी सेवा से अवकाश ग्रहण करने पर उनके सम्मान में आयोजित किया था। सम्मान समारोह की अध्यक्षता गुडडू सिंह व संचालन प्रो.मनीष दूबे ने किया। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए संभावना के अध्यक्ष भरत प्रसाद गुप्ता, हरिनारायण यादव, नारायण प्रसाद, प्रो. राजकिशोर सिंह , प्रो.रामाशंकर प्रसाद, प्रो. किरण बाला , ई.जितेंद्र कुमार, डॉ.महेंद्र सिंह, प्रो. पंकज कुमार, राकेश कुशवाहा, मनोज शर्मा, सुरेश कुमार, संतोष कुमार सिंह , महिला नेत्री पूर्णिमा भारती समेत कई लोगो ने प्रो सिन्हा के कृतित्व व व्यक्तित्व पर प्रकाश डाला।वक्ताओं ने कहा कि प्रो. सिन्हा रक्सौल के आवाज है, पर्यावरण संरक्षण में प्रो सिन्हा की आवाज बिहार की आवाज बन चुकी है।सरिसवा बचाओ आंदोलन के कारण नदी स्वच्छ होने जा रही है। इस अवसर पर सुनील कुशवाहा, उदय सिंह, भैरव प्रसाद, गणेश धनोतिया, संतोष छत्रवंशी, नागेंद्र पटेल, गणेश झा, अरविंद कुमार, रजनीश प्रियदर्शी, संजय कुमार साह , जितेंद्र दत्ता, कृष्णा साह, रामबाबू शर्मा इत्यादि लोग उपस्थिय थे।

CENTER CODE- BR-12870035
SAKSHI COMPUTER INSTITUTE
भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त शिक्षण संस्थान
A UNIT OF BDS COMPUTER PVT. LTD.
A RIGHT PLACE FOR YOUR STUNING PERSONALITY
COME AND LEARN COMPUTER WITH US
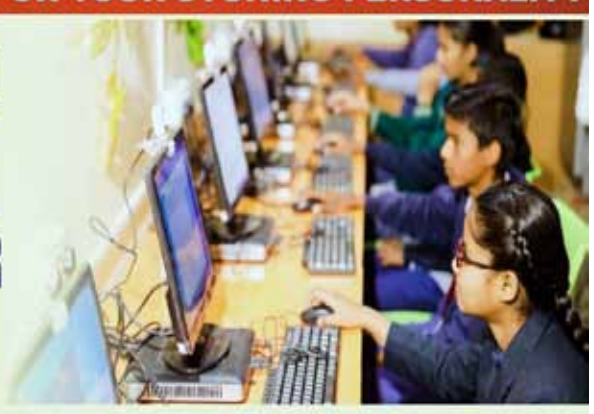
Tally Prime
ADCA
DCA
CCC
ADVANCE EXCEL
COMPUTER BASIC
YADOPUR ROAD, HARSIDHI, EAST CHAMPARAN
9470050309 | RAKESH KUMAR | bdscomputer.in

संपादकीय

पर्यावरण प्रदूषण के दूरगामी दुष्प्रभाव

विज्ञान के क्षेत्र में असीमित प्रगति तथा नये आविष्कारों की स्पर्धा के कारण आज का मानव प्रकृति पर पूर्णतया विजय प्राप्त करना चाहता है। इस कारण प्रकृति का संतुलन बिगड़ गया है। वैज्ञानिक उपलब्धियों से मानव प्राकृतिक संतुलन को उपेक्षा की दृष्टि से देख रहा है। दूसरी ओर धरती पर जनसंख्या की निरंतर वृद्धि , औद्योगीकरण एवं शहरीकरण की तीव्र गति से जहाँ प्रकृति के हरे भरे क्षेत्रों को समाप्त किया जा रहा है प्रगति की दौड़ में आज का मानव इतना अंधा हो गया है कि वह अपनी सुख सुविधाओं के लिए कुछ भी करने को तैयार है।पर्यावरण संरक्षण का समस्त प्राणियों के जीवन तथा इस धरती के समस्त प्राकृतिक परिवेश से घनिष्ठ सम्बन्ध है। प्रदूषण के कारण सारी पृथ्वी दूषित हो रही है और निकट भविष्य में मानव सभ्यता का अंत दिखाई दे रहा है।इस स्थिति को ध्यान में रखकर सन् 1992 में ब्राजील में विश्व के 174 देशों का पृथ्वी सम्मेलन आयोजित किया गया।इसके पश्चात सन् 2002 में जोहान्सबर्ग में पृथ्वी सम्मेलन आयोजित कर विश्व के सभी देशों को पर्यावरण संरक्षण पर ध्यान देने के लिए अनेक उपाय सुझाए गये। वस्तुतः पर्यावरण के संरक्षण से ही धरती पर जीवन का संरक्षण हो सकता है, अन्यथा मंगल ग्रह आदि ग्रहों की तरह धरती का जीवन-चक्र भी समाप्त हो जायेगा।पर्यावरण प्रदूषण के दूरगामी दुष्प्रभाव हैं, जो अतीव घातक हैं, जैसे आणविक विस्फोटों से रेडियोधर्मिता का आनुवांशिक प्रभाव, वायुमण्डल का तापमान बढ़ना, ओजोन परत की हानि, भूक्षरण आदि ऐसे घातक दुष्प्रभाव हैं। प्रत्यक्ष दुष्प्रभाव के रूप में जल, वायु तथा परिवेश का दूषित होना एवं वनस्पतियों का विनष्ट होना, मानव का अनेक नये रोगों से आक्रान्त होना आदि देखे जा रहे हैं। बड़े कारखानों से विषैला अपशिष्ट बाहर निकलने से तथा प्लास्टिक आदि के कचरे से प्रदूषण की मात्रा उत्तरोत्तर बढ़ रही है।अपने पर्यावरण को बेहतर बनाने के लिए हमें सबसे पहले अपनी मुख्य जरूरत 'जल' को प्रदूषण से बचाना होगा। कारखानों का गंदा पानी, घरेलू, गंदा पानी, नालियों में प्रवाहित मल, सीवर लाइन का गंदा निष्कासित पानी समीपस्थ नदियों और समुद्र में गिरने से रोकना होगा। कारखानों के पानी में हानिकारक रासायनिक तत्व घुले रहते हैं जो नदियों के जल को विषाक्त कर देते हैं, परिणामस्वरूप जलचरों के जीवन को संकट का सामना करना पड़ता है। दूसरी ओर हम देखते हैं कि उसी प्रदूषित पानी को सिंचाई के काम में लेते हैं जिसमें उपजाऊ भूमि भी विषैली हो जाती है। उसमें उगने वाली फसल व सब्जियां भी पौष्टिक तत्वों से रहित हो जाती हैं जिनके सेवन से अवशिष्ट जीवननाशी रसायन मानव शरीर में पहुंच कर खून को विषैला बना देते हैं। कहने का तात्पर्य यही है कि यदि हम अपने कल को स्वस्थ देखना चाहते हैं तो आवश्यक है कि बच्चों को पर्यावरण सुरक्षा का समुचित ज्ञान समय-समय पर देते रहें। अच्छे व मंहगें ब्रांड के कपड़े पहनाने से कहीं महत्वपूर्ण है उनका स्वास्थ्य, जो हमारा भविष्य व उनकी पूंजी है।आज वायु प्रदूषण ने भी हमारे पर्यावरण को बहुत हानि पहुंचाई है। जल प्रदूषण के साथ ही वायु प्रदूषण भी मानव के सम्मुख एक चुनौती है। माना कि आज मानव विकास के मार्ग पर अग्रसर है परंतु वहीं बड़े-बड़े कल-कारखानों की चिमनियों से लगातार उठने वाला धुआं, रेल व नाना प्रकार के डीजल व पेट्रोल से चलने वाले वाहनों के पाइपों से और इंजनों से निकलने वाली गैसें तथा धुआं, जलाने वाला हाइकोक, ए.सी., इन्वर्टर, जेनरेटर आदि से कार्बन डाइऑक्साइड, नाइट्रोजन, सल्फ्यूरिक एसिड, नाइट्रिक एसिड प्रति क्षण वायुमंडल में घुलते रहते हैं। वस्तुतः वायु प्रदूषण सर्वव्यापक हो चुका है।सही मायनों में पर्यावरण पर हमारा भविष्य आधारित है, जिसकी बेहतरी के लिए ध्वनि प्रदूषण को और भी ध्यान देना होगा। अब हाल यह है कि महानगरों में ही नहीं बल्कि गाँवों तक में लोग ध्वनि विस्तारकों का प्रयोग करने लगे हैं। बच्चे के जन्म की खुशी, शादी-पार्टी सभी में डी.जे. एक आवश्यकता समझी जाने लगी है। जहां गाँवों को विकसित करके नगरों से जोड़ा गया है। वहीं मोटर साइकिल व वाहनों की चिल्ल-पों महानगरों के शोर को भी मुँह चिढ़ाती नजर आती है। औद्योगिक संस्थानों की मशीनों के कोलाहल ने ध्वनि प्रदूषण को जन्म दिया है। इससे मानव की श्रवण-शक्ति का ह्रास होता है। ध्वनि प्रदूषण का मस्तिष्क पर भी घातक प्रभाव पड़ता है।

- संजय गोस्वामी

जगन्नाथ रथ यात्रा एक अनुपम भक्तिभाव

हर साल आषाढ़ माह के शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि को भगवान जगन्नाथ की भव्य रथ यात्रा निकाली जाती है। इस यात्रा को रथ महोत्सव और गुंडिचा यात्रा के नाम से जाना जाता है। इस बार जगन्नाथ रथ यात्रा की शुरुआत 07 जुलाई से हो रही है। पद्म पुराण की मानें तो एक बार भगवान जगन्नाथ की बहन सुभद्रा ने नगर देखने की इच्छा जाहिर की। इसके लिए भगवान जगन्नाथ ने सुभद्रा को रथ पर बैठाकर नगर दिखाया। इस दौरान वह अपनी मौसी के घर भी गए। जहां वह सात दिन तक रुके। मान्यता है कि तभी से हर साल भगवान जगन्नाथ निकालने की परंपरा जारी है।ज्येष्ठ मास में गर्मी का आरम्भ होता है, अतः पुरी में श्रीजगन्नाथ जी के चतुर्धा विग्रह को स्नान कराया जाता है। १०८ घड़ों से स्नान के बाद उनको ज्वर हो जाता है, तथा १५ दिन बीमार रहने पर उनकी चिकित्सा होती है। उसके बाद आषाढ़ शुक्ल द्वितीया को वे घूमने निकलते हैं। ३ रथों में जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा गुण्डिचा मन्दिर तक जाते हैं तथा ९ दिन बाद दशमी को लौटते हैं जिसे बाहुड़ा कहते हैं। लौटने को बहोर कहते हैं-गयी बहोर गरीब नेवाजू सरल सबल साहिब रघुराजू। (रामचरितमानस, बाल काण्ड, १२/४)। चान्द्र मास में भी जब अमावास्या के बाद चन्द्र सूर्य से दूर जाता है तब शुक्ल पक्ष की शुद्ध तिथि होती है। जब सूर्य के निकट लौटता है तब बहुल तिथि होती है।परब्रह्म के अव्यय पुरुष रूप को जगन्नाथ कहा गया है। इसे गीता (१५/१) में विपरीत वृक्ष कहा गया है। भगवान बलभद्र को बलराम, दाऊ और बलदाऊ के नाम से भी जाना जाता है। बागियों में श्रेष्ठ होने के कारण इन्हें बलभद्र भी कहा जाता है। बलभद्र को शेषनाग के नाम से जाना जाता है और भगवान जग अर्थात श्री कृष्ण को भगवान कृष्ण का अवतार माना जाता है।. कहा जाता है कि जब कंस ने देवकी-वसुदेव के छह पुत्रों को मार डाला था, तब देवकी के गर्भ से शेषावतार और भगवान बलराम का जन्म हुआ था। योगी आदित्यनाथ ने उन्हें आकर्षित कर नंद बाबा के यहां रह रही श्री रोहिणी जी के गर्भ में निषेचित करवा दिया था। इसलिए उनका नाम संकर्षण पड़ा। श्री कृष्ण और बलराम की माताएं अलग-अलग हैं, लेकिन वे एक ही हैं। ध्यान से देखा जाए तो वे पहले देवकी के गर्भ में थे। बलराम सत्ययुग के राजा कुकुदनी की पुत्री रेवती के वंशज थे। रेवती बलराम से काफी लंबी थी, इसलिए बलराम ने उसे अपने हल से पराजित कर दिया था। संसार की रथयात्रा में बलभद्र का भी रथ है। वे गदा धारण करते हैं। बलराम ने अपनी गदा से योगेन्द्र और भीम दोनों को मार डाला था। कौरव और पांडव दोनों ही उनके बराबर थे, इसलिए उन्होंने युद्ध में भाग नहीं लिया। मौसूलम युद्ध में यवंश के विनाश के बाद बलराम ने समुद्र तट पर बैठकर अपने प्राण त्याग दिए।सुभद्रा श्री कृष्ण की बहन भी थीं। बलराम चाहते थे कि सुभद्रा का विवाह कौरव कुल में हो। बलराम के हठ के कारण कृष्ण ने सुभद्रा का अर्जुन से हरण करवा दिया। बाद में अर्जुन का विवाह सुभद्रा से राका में हुआ।. विवाह के बाद वे एक वर्ष तक राका में रहे और शेष समय पुकुर में बिताया। 12 वर्ष पूरे होने पर वे सुभद्रा के साथ इंद्रप्रस्थ लौट आए।. सुभद्रा का पुत्र अमौध था, जिसे युद्ध में फंसने के कारण धन, कर्ण समेत कुल के आठ लोगों ने मार डाला था। अमौध की पत्नी उर थी, जिसके गर्भ से पार्वती का जन्म हुआ और पार्वती के पुत्र जनमेजय थे कहा जाता है कि नरकासुर का वध करने के बाद भगवान कृष्ण अपनी बहन सुभद्रा के घर उसके भाई को लेने गए थे। सुभद्रा ने उनका स्वागत किया और अपने हाथों से उन्हें भोजन कराया और उनके गले में एक ताला डाल दिया। पुरी में जगत की यात्रा में भगवान कृष्ण के साथ बलराम और सुभद्रा दोनों की मूर्तियां रखी जाती हैं। सुभद्रा वसुदेव की पत्नी रोहिणी की पुत्री थीं, जबकि श्रीकृष्ण वसुदेव की पत्नी देवकी के पुत्र थे। इस तरह श्रीकृष्ण और सुभद्रा के पिता एक ही थे लेकिन माताएं अलग-अलग थीं। फिर भगवान जगत को बड़े भाई बलराम जी और बहन सुभद्रा के साथ राणा हाउस से नीचे उतारकर मंदिर के पास बने नान मंडप में ले जाया जाता है। उन्हें 108 कलशों से स्नान कराया जाता है। मान्यता है कि इस स्नान से भगवान बीमार हो जाते हैं और वे पुनः स्वस्थ हो जाते हैं। फिर 15 मिनट के लिए भगवान जगत को शेष कलश में रखा जाता है। इसे शेष घर कहते हैं। 15 मिनट की इस अवधि में मंदिर के मुख्य सेवक और वैभव के अलावा महाप्रभु के दर्शन कोई नहीं कर सकता। इस अवधि में मंदिर में महाप्रभु की प्रभात की पूजा की जाती है और उनकी पूजा की जाती है। 15 मिनट के बाद भगवान स्नान कर कलश से बाहर आते हैं और भक्तों को दर्शन देते हैं। इसे नव युवा नैत्र उत्सव भी कहते हैं। इसके बाद भगवान कृष्ण और बड़े भाई श्रीकृष्ण भाई बलभद्र और सुभद्रा के साथ पुरी आते हैं और रथ पर बैठने की बजाय नगर भ्रमण पर निकलते हैं।वेद में इनको ५ प्रकार से दारु ब्रह्म कहा गया है-जगत् का आधार, निरपेक्ष द्रष्टा, निर्माण सामग्री, निर्माण की शाखायें या विविधता, चेतन तत्त्व या संकल्प-कर्म-वासना का चक्र। परमात्मा तथा उसके व्यक्ति रूप आत्मा का सम्बन्ध देखने पर, आत्मा का कर्म रूप जीव (बाइबिल का आदम-ईव) पत्नी है, जगन्नाथ पति हैं, उन दोनों के बीच सुभद्रा रूपी माया का आवरण ननद है। ननद का अर्थ है न-नन्दति, अर्थात् भाई को पत्नी से अधिक प्रेम करते देख प्रसन्न नहीं होती। इस भाव में विद्यापति, कबीर, महेन्द्र मिश्र आदि के कई निर्गुण गीत हैं। तुलसीदास जी ने इनका वर्णन किया है-आगे राम लखन बने पाछे। तापस वेश विराजत काछे॥उभय बीच सिय सोहति कैसी। ब्रह्म जीव बिच माया जैसी॥ (रामचरितमानस, २/१२२/१) आगे श्री रामजी हैं, पीछे लक्ष्मणजी सुशोभित हैं। तपस्वियों के वेष बनाए दोनों बड़ी ही शोभा पा रहे हैं। दोनों के बीच में सीताजी कैसी सुशोभित हो रही हैं, जैसे ब्रह्म और जीव के बीच में माया !जगन्नाथ के कई देव रूप हैं-विश्व का वास या आधार-वासुदेवजगत् का क्रिया रूप = जगन्नाथचेतन तत्त्व = पुरुषमूल स्रोत से पूर्ववत् सृष्टि = वृषा-कपि (हनुमान)=जल जैसे स्रोत का पान कर ब्रह्माण्ड, तारा, ग्रह आदि विन्दुओं की सृष्टि।तत्र गत्वा जगन्नाथं वासुदेवं वृषाकपिम्। पुरुषं पुरुषसूक्तेन उपतस्थे समाहितः॥ (श्रीमद् भागवत पुराण, १०/१/२०)एक ही परम तत्त्व के चतुर्धा विग्रह है-जगन्नाथ = चेतन तत्त्वबलभद्र = विश्व के निर्मित रूपसुभद्रा = माया का आवरणसुदर्शन = आकाश। सौर मण्डल में क्रान्ति वृत्त (पृथ्वी कक्षा) ही सुदर्शन चक्र है जो चन्द्र के २ पात (राहु-केतु) को काटता है, या राहु का सिर काटता है।अन्य रूप में ४ व्यूह कहे गये हैं-वासुदेव - आकाश संकर्षण = परस्पर आकर्षण से ब्रह्माण्ड, तारा, ग्रह क्रम से सृष्टि।प्रद्युम्न = तारा से ज्योति निकलना जिससे जीवन चल रहा है।अनिरुद्ध = अनन्त प्रकार या विविध सृष्टि (चित्राणि साकं दिवि रोचनानि ---, अथर्व वेद, १९/७/१)रथयात्रा सृष्टि चक्र है जिसके १० सर्ग इसके १० दिन हैं। १ अव्यक्त स्रोत, ९ व्यक्त सृष्टि।अथ यद् दशमे अहन् प्रसूतो भवति यस्माद् दशपेयो (शतपथ ब्राह्मण, ५/४/५/३)अथ यद् दशमं अहः उपयन्ति। संवत्सरं एव देवता यजन्ते। (शतपथ ब्राह्मण, १२/१/३/२०)श्रीः वै दशमं अहः (ऐतरेय ब्राह्मण, ५/२२)प्रतिष्ठा दशमं अहः (कौषीतकि ब्राह्मण, २७/२, २९/५)अन्तो वा एष यज्ञस्य यद् दशमं अहः (तैत्तिरीय ब्राह्मण, २/२/६/१)प्रजापतिः वै दश होता (तैत्तिरीय ब्राह्मण, २/२/१/१ आदि)संवत्सर चक्र रूप में जगन्नाथ के रथ का चक्र जगन्नाथ मन्दिर से गुण्डिचा मन्दिर तक जाने में ३६५ बार घूमता है।मनुष्य का गर्भ में जन्म चन्द्र की १० परिक्रमा (२७३ दिन) में होता है। प्रेत शरीर चान्द्र कक्षा की वस्तु है, उसका निर्माण पृथ्वी के १० अक्ष भ्रमण या १० दिन में होता है।जगन्नाथ का स्नान, ज्वर आदि मनुष्य रूप की क्रियायें है। उनका स्नान केवल दिखाने के लिए है, जिसे गज स्नान कहते हैं। हाथी स्नान करने केबाद अपने शरीर पर धूल फेंकता है। अतः स्नान पूर्णिमा के दिन जगन्नाथ भी गणपति वेष धारण करते हैं।१९७७ की स्नान पूर्णिमा दिन वर्षा हुयी थी। बाणासुर ने युद्ध में माहेश्वर ज्वर =वुहान् का कोरोना वायरस का प्रयोग किया था जिसके बलराम जी बीमार हो गये थे। तब भगवान् कृष्ण ने वैष्णव ज्वर या योग बल से उसे शान्त किया था। योग द्वारा ही वायरस से सुरक्षा हो सकती है-भागवत पुराण, १०/६३/२२२४, हरिवंश पुराण, विष्णु पर्व, १२२/७१-८१) स्नाने प्रभोरवसिते बलभद्र भद्रा, युक्तस्य युक्तमिह मत्तगजोपमस्य।राजाप्यसौ गजपतिर्धृतमार्जनीकः, यत्स्नानवेदिमिह मार्ष्टि यथा रथं ते॥१३॥पुरी के राजा को गजपति कहते हैं। वे भगवान् के सेवक रूप में उनकी यत्रा के पहले रास्ते को झाड़ू से साफ करते है। इसी प्रकार मेवाड़ के महाराणा भी एकलिंग के दीवान रूप सेवक हैं श्री जगन्नाथ देवस्य स्नान पञ्चदशिस्तवः।क्लृप्तस्सुन्दरराजेन कल्पतां विदुषां मुदे॥१७॥पहले कृष्णावतार में गोवर्धन धारण कर इन्द्र कि वर्षा को रोक दिया था, बदला लेने के लिए उनकी स्नान यात्रा के समय अब इन्द्र वर्षा कर रहे हैं। भगवान जगन्नाथ के रथ में 16 पहिये होते हैं। रथ को शंखचूड़ रस्सी से खींचा जाता है। रथ को बनाने के लिए नीम की लकड़ी का प्रयोग किया जाता है।इस दिन तीन विशालकाय और भव्य रथों पर भगवान जगन्नाथ, बलभद्र जी और देवी सुभद्रा विराजमान होते हैं। सबसे आगे बलराम जी का रथ चलता है, बीच में बहन सुभद्रा जी होती हैं और सबसे पीछे भगवान जगन्नाथ जी का रथ चलता है।जगन्नाथ भगवान विष्णु के एक अन्य अवतार राम के रूप में तुलसीदास के सामने प्रकट हुए, जिन्होंने उन्हें राम के रूप में पूजा और 16वीं शताब्दी में पुरी की अपनी यात्रा के दौरान उन्हें रघुनाथ कहा। कभी-कभी उन्हें कृष्ण (यानी, बुद्ध-जगन्नाथ) या विष्णु (यानी, वामन) के अवतारों में से एक माना जाता है। भगवान जगन्नाथ का रथयात्रा भगवान विष्णु के अवतार भगवान जगन्नाथ की भक्ति का प्रतीक है। यह त्योहार समानता और भाईचारे का संदेश देता है। रथ यात्रा पुरी शहर और ओडिशा राज्य के लिए एक महत्वपूर्ण सांस्कृतिक और धार्मिक उत्सव है।

-संजय गोस्वामी

बढ़ती जनसंख्या, असीमित चुनौतियां

11 जुलाई विश्व जनसंख्या दिवस के रूप में मनाया जाता है। जनसंख्या दिवस की शुरूआत संयुक्त राष्ट्र संघ के विकास कार्यक्रम के तहत 1987 में की गयी थी उस साल विश्व की जनसंख्या 5 बिलियन थी और और आज 37 वर्ष बाद विश्व की जनसंख्या 2024 मैं 8,119 करोड़ जनसंख्या हैं। हाल ही में संयुक्त राष्ट्र के जारी आंकड़ों के मुताबिक भारत इस साल के मध्य तक चीन को पीछे छोड़ दुनिया में सबसे अधिक आबादी वाला देश बन जाएगा। इस साल के मध्य तक भारत की आबादी 142 करोड़ 86 लाख पहुंचने की उम्मीद है जो चीन की 142 करोड़ 57 लाख की आबादी से 29 लाख ज्यादा होगी। साल 2011 के बाद से भारत में जनगणना नहीं हुई है, इसलिए इस वक्त भारत की जनसंख्या क्या है, इसके बारे में कोई आधिकारिक जानकारी उपलब्ध नहीं है। लेकिन साल 2020 में नेशनल कमीशन ऑन पॉपुलेशन ने जनसंख्या के अनुमानों पर एक रिपोर्ट जारी की जिसमें कहा गया कि साल 2011 और 2036 के बीच के 25 सालों में भारत की जनसंख्या 121 करोड़ दस लाख से बढ़कर 152 करोड़ 20 लाख हो जाएगी। इसका नतीजा ये होगा कि जनसंख्या का घनत्व 368 से बढ़कर 463 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर हो जाएगा। लेकिन जानकारों का कहना है कि भारत में ज्यादा लोग पहले के मुकाबले लम्बी उम्र तक जी रहे हैं और देश में कम बच्चे पैदा हो रहे हैं जिसकी वजह से भारत की जनसंख्या की वृद्धि दर नीचे जा रही है। वृद्धि दर के घटने के बावजूद भारत की जनसंख्या का बढना जारी है और अगले कई सालों तक जारी रहेगा। ऐसी स्थिति में देश के सामने जो चुनौतियां पेश होंगी, उनका प्रभाव नकारा नहीं जा सकता है। लगातार बढ़ती जनसंख्या वैश्विक परिदृश्य में यह विषय चिंता का सबब बन गया है। सबसे बड़ी चुनौती प्राकृतिक संसाधनों पर बढ़ता दबाव है। इन प्राकृतिक संसाधनों में जमीन, पानी, जंगल और खनिज शामिल हैं। धरती पर ये जो संसाधन हैं ,वे निश्चित तौर पर सीमित हैं। ऐसे में प्रश्न उठना स्वभाविक है कि क्या इतने सीमित संसाधनों से इतनी बड़ी आबादी का भरण -पोषण किया जा सकता है ? ऐसे अनेक प्रश्न अपना उत्तर मांगते नजर आते हैं। जनसंख्या के बढने की वजह से इन संसाधनों का जरूरत से ज्यादा इस्तेमाल होता है। जनसंख्या की वृद्धि से अनेक समस्याएं खड़ी हो रही हैं, क्योंकि जिसकी वृद्धि हो रही है, वह कोई निर्जीव वस्तु नहीं है, सजीव इंसान है। इंसान की अपनी आवश्यकताएं होती हैं। उसकी शारीरिक, मानसिक एवं भावनात्मक जरूरतें होती हैं। उसे जीवन जीने के तमाम संसाधन चाहिए। नतीजतन कृषि उत्पादकता और पानी की कमी के साथ पर्यावरण में गिरावट होने की सम्भावना बढ़ जाती है। बढ़ती आबादी के कारण आवास, परिवहन, स्वास्थ्य और शिक्षण सुविधाओं से जुड़े बुनियादी ढांचे का विस्तार करने की जरूरत भी बढ़ जाती है। एक बहुत बड़ी आबादी की जरूरतों को पूरा करना एक मुश्किल काम बन जाता है और आबादी का एक बड़ा हिस्सा बदहाल हालात में जीने के लिए मजबूर हो सकता है। एक बड़ी आबादी की वजह से काम करने की क्षमता रखने वाले लोगों की एक बड़ी संख्या भी खड़ी हो जाती है। इस बड़ी संख्या को रोजगार उपलब्ध करवाना एक बड़ी चुनौती के तौर पर उभरता है। आज भी भारत में बेरोजगारी एक ज्वलंत समस्या है। लगातार बढ़ रही जनसंख्या की वजह से यह समस्या भविष्य में विकराल रूप ले सकती है। रोजगार की कमी आर्थिक असमानता और गरीबी को बढ़ाने का काम काम कर सकती है जिससे सामाजिक अशांति फैल सकती है। शिक्षा और एक बड़ी आबादी को शिक्षित और कुशल बनाना चुनौतीपूर्ण हो सकता है क्योंकि समय के साथ जितने लोगों को शिक्षित और कुशल बनाने की जरूरत होगी उतनी क्षमता शैक्षणिक संस्थानों के पास शायद नहीं होगी। इसका सीधा परिणाम ये हो सकता है कि बहुत से लोग अच्छी शिक्षा हासिल नहीं कर पाएंगे और बहुत से लोगों के पास जो कौशल होगा वो नौकरी के बाजार से मेल नहीं खाएगा। बढ़ती जनसंख्या की वजह से गरीबी रेखा के नीचे रहने वाले लोगों की संख्या बढ़ सकती है। साथ ही आमदनी की असमानता भी बढने का खतरा है। एक बड़ी चुनौती गरीबी कम करने की कोशिशों को समाज के सभी वर्गों तक पहुंचाने की भी होगी। कुल मिलाकर लोगों के जीवन स्तर और स्वास्थ्य और शिक्षा तक उनकी पहुंच में गहरी असमानताएं पैदा हो सकती हैं। बढ़ती जनसंख्या का सीधा असर पर्यावरण पर भी पड़ेगा। वनों की कटाई, वायु प्रदूषण और जल प्रदूषण पर्यावरण की रक्षा के लिए बड़ी चुनौतियों के तौर पर उभर सकते हैं। वृद्धि दर के घटने के बावजूद भारत की जनसंख्या का बढना जारी है और अगले कई सालों तक जारी रहेगा। ऐसे में सरकारों के लिए एक बड़ी चुनौती लोगों के लिए प्रभावी नीतियां और योजनाएं बनाना और उन्हें लागू करना होगा। भारत की बढ़ती जनसंख्या के मद्देनजर सरकारों के लिए ऐसी नीतियां और योजनाएं बनाना और मुश्किल हो जाएगा जो ये सुनिश्चित करें कि संसाधनों का वितरण बराबरी से हो और सामाजिक व आर्थिक विषमता को दूर किया जा सके। बढ़ती जनसंख्या से जुड़ी एक बड़ी चिंता ये जताई जाती है कि इससे कई किस्म की सामाजिक चुनौतियां सामने आ सकती हैं। एक बड़ी आबादी भीड़भाड़ को तो बढ़ाएगी ही, साथ ही शहरीकरण को भी बढ़ावा देगी जिसकी वजह से अपराधों में बढ़ोतरी आ सकती है और काानून-व्यवस्था कायम रखना मुश्किल हो सकता है? इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि एक बड़ी आबादी पर्यावरण और संसाधनों पर दबाव डालती है। यही कारण है कि जनसंख्या को लेकर इतना चिंताजनक विमर्श हो रहा है। हालांकि इस बात का ध्यान रखना जरूरी है कि भारत लंबे समय से दुनिया का दूसरा सबसे अधिक आबादी वाला देश रहा है और भारत सबसे अधिक आबादी वाला देश बनने ही वाला था। तो यह कोई आश्चर्य की बात नहीं है। भारत की बढ़ती जनसंख्या को लेकर तरह-तरह की चिंताएं जताई जा रही हैं। तो क्या किसी देश के लिए कोई आदर्श जनसंख्या होनी चाहिए? किसी भी देश के लिए कोई आदर्श जनसंख्या आकार नहीं है। जब आप जनसंख्या की बात करते हैं तो आप लोगों की बात करते हैं और लोग नंबरों से पहले आते हैं, इसलिए संख्या को लोगों से ज्यादा महत्त्व देना मानवाधिकार आधारित दृष्टिकोण नहीं होगा ज्यादा जरूरी यह है कि इस बारे में सवाल पूछे जाएं कि क्या लोगों का स्वास्थ्य अच्छा है, क्या उनके पास सही अवसर हैं, क्या वे पर्याप्त शिक्षित हैं। चर्चा का एक और विषय भारत की प्रजनन दर को लेकर भी है। नेशनल फैमिली हेल्थ सर्वे के आंकड़ों के अनुसार भारत के सभी धार्मिक समूहों में प्रजनन दर कम हो रही है। जनसंख्या को केवल प्रजनन दर से जोडने का मतलब ये है कि सारा बोझ महिलाओं पर डाला जा रहा है। भारत में 25 साल से कम उम्र के लोगों की आबादी कुल आबादी का करीब 40 फीसदी है। वहीं देश की करीब आधी आबादी की उम्र 25 से 64 साल के बीच है। भारत की बुजुर्ग होती आबादी (65 साल से ऊपर) कुल आबादी का महज 7 फीसदी है। लेकिन चूंकि भारत की जनसंख्या वृद्धि दर गिर रही है तो इस बात की चिंताएं बढ़ गई हैं कि आने वाले दशकों में भारत की आबादी का एक बहुत बड़ा हिस्सा बुजुर्ग लोगों का होगा। अगर एक औसत भारतीय की उम्र आज 28 वर्ष है तो 30 वर्षों में एक औसत भारतीय 58 वर्ष का होगा। इसीलिए जब बढ़ती जनसंख्या की वजह से बन रहे अवसर की बात करते हैं तो हम कहते हैं कि हमारे पास इस डेमोग्राफिक डिविडेंड या युवा आबादी का लाभ उठाने के लिए 30 वर्ष हैं। उनके मुताबिक इस बात से पूरी तरह नहीं बचा जा सकता कि समय के साथ-साथ किसी भी देश की औसत आबादी बुजुर्ग होती जाएगी। दुनिया के किसी भी हिस्से में आबादी युवा होगी और फिर वह बूढ़ी होगी, कभी घटेगी और कभी ऊपर जाएगी। आज जो महत्वपूर्ण बात है वह यह है कि हमें 30 साल बाद जो होने वाला है, उसके लिए तैयार रहने की जरूरत है। हमें सामाजिक सुरक्षा उपायों में निवेश करने की जरूरत है। हमें वृद्ध लोगों की चिकित्सा देखभाल में निवेश करने की जरूरत है। ऐसे देश में जहां लैंगिक असमानता अभी भी बनी हुई है, वहां विशेष चुनौतियां होंगी, जिनका बड़ी उम्र की महिलाओं को सामना करना पड़ेगा उन्हें विशेष प्रकार की देखभाल और उन पर ध्यान देने की जरूरत होगी। नीतियों को उनकी विशिष्ट जरूरतों को ध्यान में रखते हुए डिजाइन करना होगा। याद रहे बढ़ती जनसंख्या हमारे लिए असीमित चुनौतियां ला रही है। यह कोई त्योहारिक ख़ुशी नहीं है, बल्कि इससे मिलने वाली चुनौतियों से निपटने के लिए केंद्र और राज्य स्तर पर संजीदा प्रयासों की जरूरत होगी।

- कुमार कृष्णन

आज का पंचांग

8 जुलाई 2024 को आषाढ़ माह के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि है। इस तिथि पर पुष्य नक्षत्र और वज्र योग का संयोग रहेगा। दिन के शुभ मुहूर्त की बात करें तो सोमवार को अभिजीत मुहूर्त 11:58-12:53 मिनट तक है।

आज का राशिफल

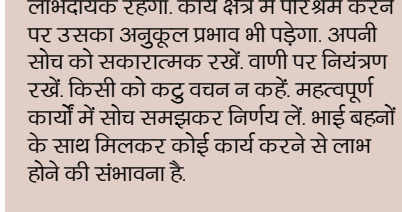

मेष : आज शासन सत्ता से जुड़े लोगों को नए व महत्वपूर्ण दायित्व मिल सकता है. पैतृक धन संपत्ति मिलने की बाधा किसी वरिष्ठ परिजन के हस्तक्षेप से दूर होगी. कृषि कार्य में मित्रों एवं परिजनों का सहयोग मिलेगा. किसी परियोजना को लेकर कोई बेहद शुभ समाचार मिलेगा.

वृषभ : आज नौकरी में पदोन्नति के साथ वाहन सुख में वृद्धि होगी. प्रेम विवाह की योजना सफल होगी. पारिवारिक स्थिति में सुधार होगा. परिवार संग पर्यटक स्थल की सैर करेंगे. किसी महत्वपूर्ण कार्य की सफलता से उत्साह में वृद्धि होगी. राजनीति में वर्चस्व स्थापित होगा.

मिथुन : आज मनचाही यात्रा पर जाना पड़ सकता है. व्यापार में अनजान व्यक्ति पर अत्यधिक विश्वास न करें. अन्यथा धोखा हो सकता है. नौकरी में कोई भी ऐसा कार्य न करें जिससे आपको अपमानित होना पड़े. दूर देश से किसी प्रियजन का कुछ चिंताजनक समाचार आ सकता है.

कर्क : आज का दिन आपके लिए सुख, लाभदायक रहेगा. कार्य क्षेत्र में परिश्रम करने पर उसका अनुकूल प्रभाव भी पड़ेगा. अपनी सोच को सकारात्मक रखें. वाणी पर नियंत्रण रखें. किसी को कटु वचन न कहें. महत्वपूर्ण कार्यों में सोच समझकर निर्णय लें. भाई बहनों के साथ मिलकर कोई कार्य करने से लाभ होने की संभावना है.

सिंह : आज पूजा आराधना में अत्यधिक समय व्यतीत होगा. आज कुछ छोटी-छोटी समस्याएं उत्पन्न होती रहेंगी. अपनी समस्याओं को अधिक न बढ़ने दें. उनका जल्दी से समाधान करने का प्रयास करें. इष्ट मित्रों के साथ साझेदारी में कोई कार्य न करें. अपने बलबूते पर ही कार्य क्षेत्र में निर्णय ले.

कन्या : आज नौकरी में स्थानांतरण के योग हैं. आपको किसी जरूरी कार्य से घर से दूर जाना पड़ेगा. व्यापार में कुछ समस्या आ सकती है. किसी महत्वपूर्ण कार्य की जिम्मेदारी नए व्यक्ति के हाथों में न दें. अन्यथा कार्य बनते बनते बिगड़ जाएगा. यात्रा में जरा सी असावधानी घटना का सबब बन सकती है.

तुला : आज कार्य क्षेत्र में अत्यधिक व्यस्तता रहेगी. नौकरी में आपको आपके महत्वपूर्ण पद से हटाया जा सकता है. राजनीति में पार्टी बदलने से पहले खूब सोच विचार आवश्यक कर निर्णय ले. व्यापार में लाभ उन्नति के अधिक अवसर प्राप्त होंगे. सहयोगियों के साथ मिलजुलकर कार्य करने से लाभ होगा.

वृश्चिक : आज शासन सत्ता में से जुड़े मामले में सफलता मिलेगी. किसी वरिष्ठ व्यक्ति का सहयोग एवं सानिध्य मिलेगा. नौकरी में पदोन्नति के योग बनेंगे. बहुराष्ट्रीय कंपनीयों में कार्यरत लोगों को मनचाहा कार्य करने को मिलेगा. रोजगार की तलाश कर रहे लोगों को रोजगार मिलेगा.

धनु : आज सामान्य सुख एवं लाभकारी दिन रहेगा. बनते बनते कार्यक्रम में अड़चन आएंगी. सामाजिक मान एवं प्रतिष्ठा के प्रति सजग रहने की आवश्यकता रहेगी. क्रोध से बचें. सभी से तालमेल युक्त व्यवहार बनाकर रखें. रचनात्मक रूप से कार्य करने से लाभ होगा.

मकर : आज का दिन आपके लिए मिश्रित फलकारक रहेगा. कार्य क्षेत्र में संघर्ष अधिक हो सकता है. व्यापारिक परिस्थितियां आपके लिए अनुकूल रहेंगी. सामाजिक क्षेत्र में नई जान पहचान बनेगी. कार्य क्षेत्र में अपने वरिष्ठ सहयोगियों के साथ तालमेल बनाने की कोशिश करें. व्यापार के क्षेत्र में जुड़े हुए व्यक्तियों को अचानक लाभ प्राप्त होने की संभावना रहेगी.

कुंभ : आज का दिन आपके लिए सामान्य सुख एवं लाभ कारक रहेगा. बनते बनते कार्य में अर्चन आएंगी. सामाजिक मान प्रतिष्ठा के प्रति सजग रहने की आवश्यकता रहेगी. क्रोध से बचे. सभी से तालमेल युक्त व्यवहार रखें. नौकरी में स्थान परिवर्तन के योग हैं. कार्य क्षेत्र में उतार-चढ़ाव बना रहेगा. यकायक कोई बड़ा निर्णय न लें।

मीन : आज व्यापार में आपका कोई जोखिम पूर्ण साहसी निर्णय ले सकते हैं. जिससे व्यापार में उन्नति के साथ लाभ होगा. सुरक्षा विभाग में कार्य लोगों को साहस एवं पराक्रम के बल पर भी विशेष महत्वपूर्ण सफलता मिल सकती है. नौकरी में पदोन्नति के योग बनेंगे. महत्वपूर्ण कार्य की सफलता मिलेगी.

इंटरव्यू में बार-बार मिल रही असफलता तो अपनाएं ये टिप्स, आसानी से मिल जाएगी जॉब

किसी भी जॉब इंटरव्यू के लिए कम्युनिकेशन स्किल का अच्छा होना जरूरी होता है। क्योंकि इंटरव्यू के दौरान आपकी स्थिति को बढ़ाने व बिगाड़ने की क्षमता कम्यूनिकेशन के पास होती है। ऐसे में इन टिप्स को फॉलो कर कम्यूनिकेशन स्किल को मजबूत और बेहतर कर सकते हैं।

अक्सर देखा जाता है कि इंटरव्यू के दौरान कैंडिडेट थोड़ा नर्वस रहते हैं। इसका मुख्य कारण कांफिडेंस की कमी का होना माना जाता है। ऐसे में अगर आप कॉन्फिडेंट होते हैं, तो आप किसी भी इंटरव्यू को आसानी से पार कर सकते हैं। ऐसे में अब आप सोच रहे होंगे कि कांफिडेंस कैसे बढ़ता है, तो बता कि कम्युनिकेशन स्किल में कमी होने पर कांफिडेंस कम होता है। क्योंकि अगर किसी उम्मीदवार की कम्युनिकेशन स्किल कमजोर होती है, तो वह डरा-सहमा महसूस करता है। फिर चाहे वह कितना भी जानकार क्यों न हो।

कैसे बढ़ाएं कम्यूनिकेशन स्किल

किसी भी जॉब इंटरव्यू के लिए कम्युनिकेशन स्किल का अच्छा होना काफी जरूरी होता है। क्योंकि इंटरव्यू के दौरान आपकी स्थिति को बढ़ाने व बिगाड़ने की क्षमता कम्यूनिकेशन के पास होती है। ऐसे में आप इन टिप्स को फॉलो कर अपनी कम्यूनिकेशन स्किल को मजबूत और बेहतर कर सकते हैं।

ठीक से सुने प्रश्न

इंटरव्यू के दौरान पूछे गए प्रश्नों को ध्यान से सुनकर तभी उत्तर देना चाहिए। क्योंकि जब आप अच्छे से सवाल को समझेंगे तो उसका उचित उत्तर दे सकेंगे। वहीं आपका यह तरीका इंटरव्यू लेने वाले व्यक्ति पर आपकी अलग छाप छोड़ता है।

स्पष्ट और सरल भाषा में दे जवाब

इंटरव्यू के दौराम आपको आसानी से समझ आने वाली भाषा का इस्तेमाल करना चाहिए। इस दौरान आप सरल और स्पष्ट तरीके से अपनी बात रखें। सरल भाषा के इस्तेमाल से आप शब्दजाल में नहीं फसेंगे। साथ ही कम शब्दों से सही से जवाब दें। क्योंकि अगर आप बहुत लंबा उत्तर देते हैं, तो यह सामने वाले व्यक्ति को विचलित कर सकता है।

पॉजिटिव बॉडी लैंग्वेज

इंटरव्यू के दौरान आपकी बॉडी लैंग्वेज का पॉजिटिव होना बहुत जरूरी है। आई कॉन्टैक्ट और हाथों के इशारों का इस्तेमाल करें। इससे इंटरव्यू लेने वाले व्यक्ति को लगेगा कि आपके अंदर कांफिडेंस है। इस दौरान आपको पेशेवर और औपचारिक लहजा अपनाना चाहिए। भले ही फिर आप कितने ही चुनौतीपूर्ण स्थिति का सामना क्यों न कर रहे हों।

लचीलापन

इस दौरान अपने कम्युनिकेशन में लचीलापन जरूर रखें। इससे सामने वाले पर आपका अच्छा इम्पैक्ट पड़ेगा। क्योंकि कुछ लोग औपचारिक तरीके से तो कुछ लोग अन्य अनौपचारिक तरीके से बातचीत करना पसंद करते हैं।

मजेदार तरीके से दें जवाब

किसी भी प्रश्न के जवाब में आप उदाहरण के तौर पर सिचुएशन, टास्क, एक्शन, रिजल्ट मेथेड का इस्तेमाल कर सकते हैं। इससे आपका जवाब थोड़ा इंट्रेस्टिंग बन सकता है।

इंटरव्यू में जरूरी है आत्मविश्वास

किसी इंटरव्यू में सबसे पहले इस बात का आकलन किया जाता है उम्मीदवार आत्मविश्वास से भरा है या नहीं। नियोक्ता किसी कर्मचारी में जिन जरूरी स्किल की तलाश करता है, उनमें आत्मविश्वास सबसे प्रमुख होता है। कई बार ऐसा भी देखा जाता है कि अच्छे उम्मीदवारों का भी जॉब में सिलेक्शन नहीं होता है क्योंकि इंटरव्यू के दौरान वह काफी नर्वस था या उसमें आत्मविश्वास की कमी इंटरव्यू लेने वालों को खल रही थी। आत्मविश्वास सिर्फ इंटरव्यू में ही नहीं, जॉब के दौरान भी आपको हर जगह दिखाना होता है। इस पर आपकी तरक्की भी निर्भर करती है। इसलिए खुद को कॉन्फिडेंट बनाने का हुनर आपको सीखना ही चाहिए।

प्रोफेशनल दिखें

जब आप किसी जॉब के लिए आवेदन करते हैं, तो आवेदन या रिज्यूमे में ही अपने बारे में बेहतर से बेहतर तस्वीर दिखाने की पूरी कोशिश करते हैं। मगर इंटरव्यू के दौरान भावी एम्प्लॉयर यह पता लगा लेता है कि आप वास्तव में क्या हैं। इसलिए आपको उसी हिसाब से अपना व्यवहार दिखाना होगा। इंटरव्यू या जॉब के दौरान आपको पूरी तरह प्रोफेशनल दिखना चाहिए।

अपनी क्षमता पर भरोसा

सबसे पहले तो आपको खुद की क्षमता पर भरोसा करना होगा। आपने अपने रिज्यूमे में खुद अपनी काबिलियत की तारीफ की है, तो उस पर भरोसा भी करें। यह मान लें कि आपके अंदर क्षमता है और आप किसी इंटरव्यू को अच्छी तरह से फेस कर सकते हैं या कोई नया चुनौतीपूर्ण काम मिलने पर उसे भली भांति कर सकते हैं।

नेटवर्किंग की कला

नेटवर्किंग से आपके अंदर की घबराहट कम होती है और सीनियर लोगों से मिलने-जुलने, उनके अनुभव जानने से आपको मार्गदर्शन मिलता है। इससे आपको यह सीख मिलती है कि इंटरव्यू के दौरान या जॉब के दौरान किस तरह पेश आना चाहिए।

अति से बचें

ज्यादातर लोग आत्मविश्वासी बनने के चक्कर में अति- आत्मविश्वास से भर जाते हैं। फिर यह ईगो का रूप ले लेता है। कम योग्यता होते हुए भी कई बार लोग यह सोचते हैं कि उनसे बेहतर कोई नहीं और किसी जॉब के लिए उनका सिलेक्शन तो तय है। इस बात का ध्यान रखें कि जब आप रिज्यूमे या कवर लेटर बनाएं, तो वह विज्ञापन जैसा न हो।

आजकल 10वीं-12वीं के छात्रों के लिए कई तरह के ऑनलाइन सर्टिफिकेट कोर्स होते हैं। ऐसे में छात्र इन कोर्स को कर अपनी स्किल को डेवलप कर सकते हैं। ऐसे में अगर आप भी वेब डिजाइनिंग का कोर्स करना चाहते हैं तो हम आपको यहां पर ऐसे ही कुछ कोर्स के बारे में बताने जा रहे हैं।

करें ये टॉप वेब डेवलपमेंट कोर्स मिलेंगे बेहतरीन अवसर

आजकल के दौर में 10वीं कक्षा से लेकर 12वीं कक्षा तक के स्टूडेंट्स कई तरह के ऑनलाइन सर्टिफिकेट कोर्स में रुचि दिखाते हैं। ऑनलाइन सर्टिफिकेट कोर्स में छात्र मुख्य तौर पर उस कोर्स का चुनाव करते हैं, जिनसे उनकी स्किल में और इंप्रूवमेंट हो सके। जिससे कि उनका रिज्यूम स्ट्रांग हो सके। छात्र भी आजकल बढ़ते कॉम्पटीशन के दौर में ज्यादा से ज्यादा सर्टिफिकेट कोर्स करने की इच्छा रखते हैं। इससे न सिर्फ छात्रों को उस क्षेत्र में ज्ञान मिलता है। बल्कि वह कई अन्य क्षेत्रों का भी नॉलेज पाते हैं। जिसका फायदा उनको करियर में होता है।

ये स्टूडेंट्स कर सकते हैं कोर्स

इस समय में बढ़ती डिमांड की बात करें तो सबसे अधिक वेब डिजाइनिंग के कोर्स को छात्रों द्वारा पसंद किया जा रहा है। वेब डिजाइनिंग में शिक्षा प्राप्त करने के लिए छात्र ऑनलाइन सर्टिफिकेट कोर्स कर सकते हैं। हालांकि कई कोर्स छात्र फ्री में कर सकते हैं। वहीं कुछ कोर्स ऐसे भी हैं, जिसके लिए छात्रों को फीस का भुगतान करना पड़ता है। करियर के लिहाज से वेब डेवलपमेंट एक बेस्ट करियर ऑप्शन है। इस कोर्स को 10वीं-12वीं के अलावा बैचलर के छात्र भी कर सकते हैं।

कोर्स की अवधि

ऑनलाइन में वेब डेवलपमेंट सर्टिफिकेट कोर्स की अवधि कुछ घंटो से लेकर कुछ महीनों तक का हो सकता है। हालांकि ये कोर्स कुछ संस्थानों द्वारा कुछ घंटों की अवधि के लिए ऑफर किया जाता है। वहीं कुछ संस्थानों द्वारा इस कोर्स की अवधि 6 महीने तक जा सकती है। बता दें कि अगर आप भी इन कोर्सों को करना चाहते हैं तो यह कोर्स बिलकुल फ्री हैं। बस आपको संस्थान का सर्टिफिकेट प्राप्त करने के लिए स्टूडेंट्स को फीस का भुगतान करना पड़ता है।

वेब डेवलपमेंट

वेब डेवलपमेंट कोर्स के माध्यम से स्टूडेंट्स को वेब के विकास और उसके निर्माण के बारे में सिखाया जाता है। साथ ही इस कोर्स में वेबसाइट के रखरखाव को भी शामिल किया गया है। इस कोर्स में वेबसाइट को स्क्रैच से बनाया जाता है। छात्रों को वेब डेवलपमेंट कोर्स में एचटीएमएल, ब्राउजर, फ्रेमवर्क, प्रोग्रामिंग लैंग्वेज, सीएसएस, डाटाबेस, सर्वर, फ्रंटएंड, बैकएंड और लाइब्रेरी आदि विषयों को भी शामिल किया गया है।

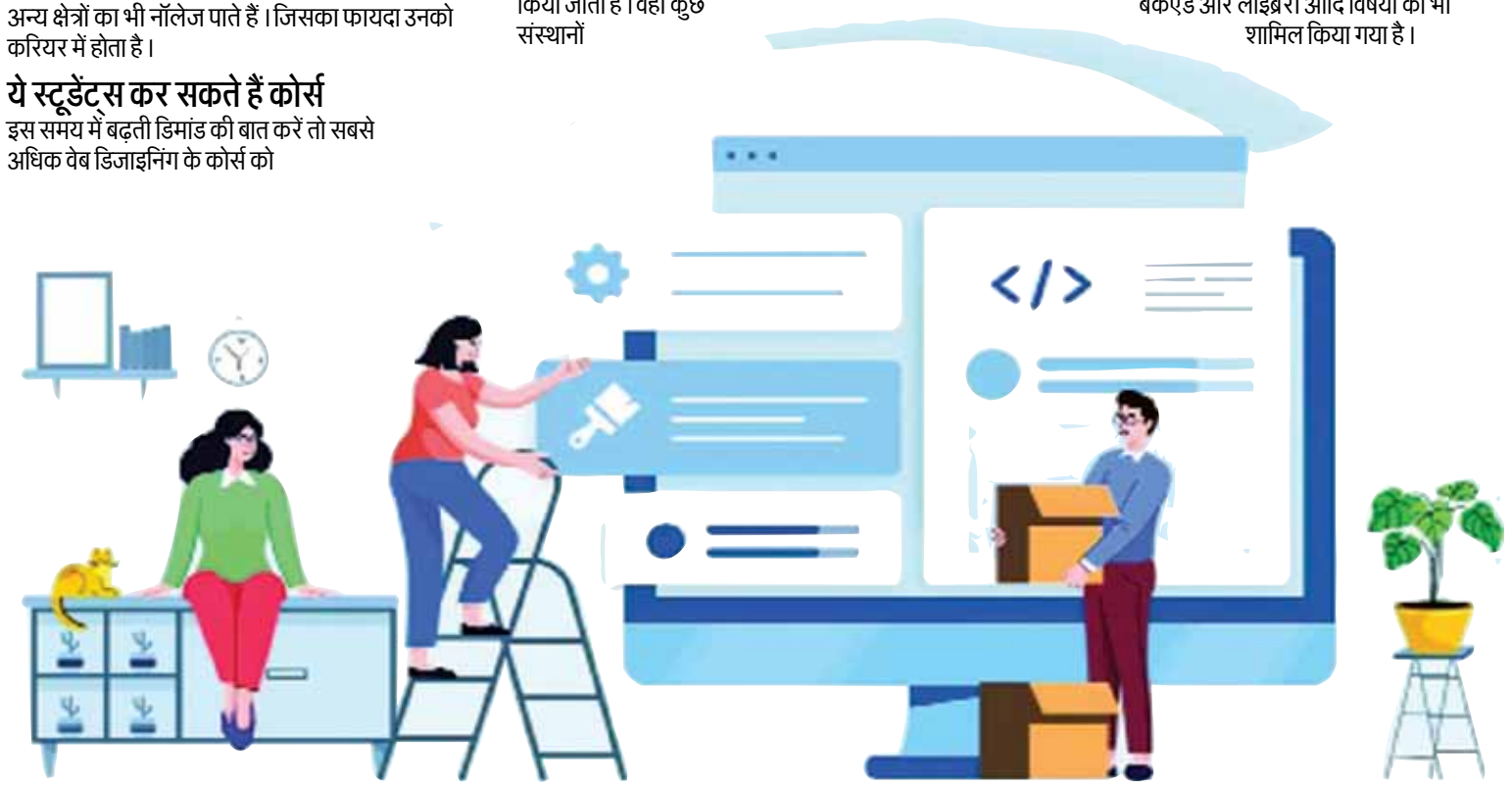

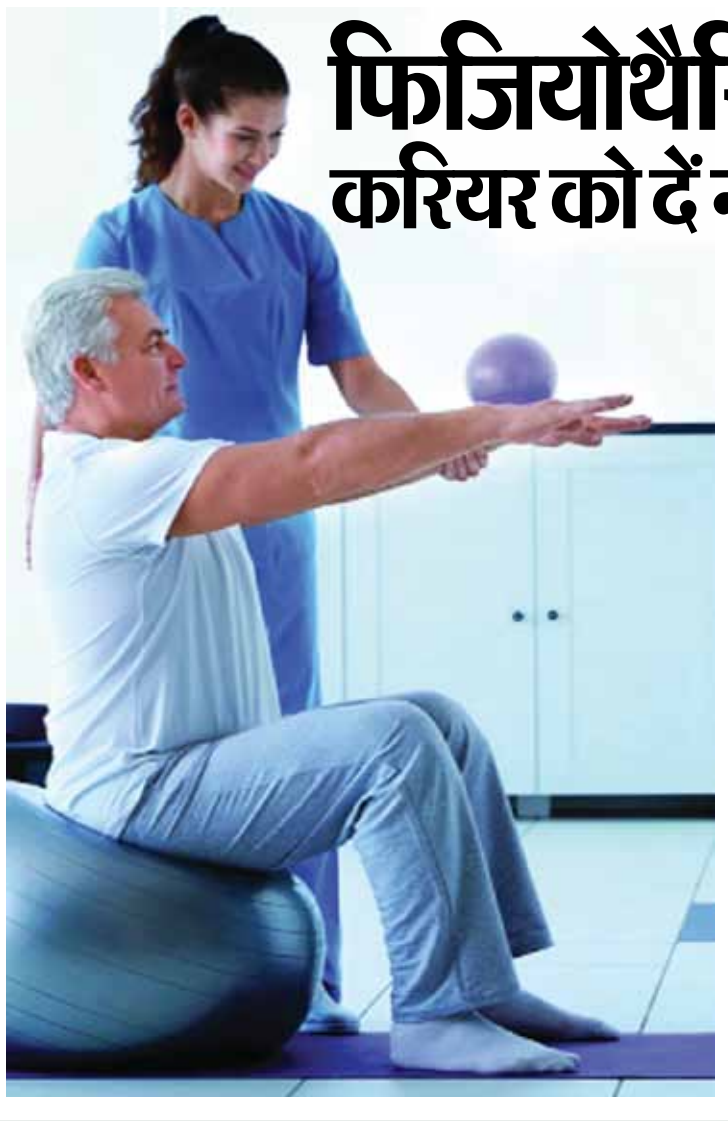

फिजियोथैरिपी कर करियर को दें नई उड़ान

12वीं के बाद अपनी रुचि अनुसार छात्र बेल्थ केयर सेक्टर में अपना करियर बना सकते हैं। इस आर्टिकल में हम आपको टॉप कॉलेज, एडमिशन और फीस आदि के बारे में जानकारी दे रहे हैं। इस कॉलेज से यह कोर्स कर आप अपने करियर को नई ऊंचाई दे सकते हैं।

12वीं कक्षा के छात्र मेडिकल और पैरामेडिकल कोर्सेस के बारे में इंटरनेट से जानकारी हासिल करते हैं। छात्र हेल्थ केयर सेक्टर में अपनी रूचि और इच्छा के अनुसार करियर बनाने का सपना लेकर आते हैं। वहीं कोरोना महामारी के दौरान हेल्थ केयर सेक्टर में शामिल लोगों ने जिस तरह से दिन-रात लोगों के लिए काम किया और अपनी ड्यूटी की, उसे कोई भुला नहीं सकता है। सेवा के इसी भाव से और अपने करियर को आगे बढ़ाने के लिए कई छात्र मेडिकल व पैरामेडिकल के क्षेत्र में करियर बनाने का सपना देखते हैं। आज हम टॉप पैरामेडिकल के कोर्स बैचलर ऑफ फिजियोथैरपी कॉलेज के बारे में बताने जा रहे हैं। जहां पर छात्र फिजिकल थैरेपिस्ट या फिजियोथैरेपी बनने का अपना सपना पूरा कर सकते हैं। इन टॉप संस्थानों से यह कोर्स पूरा करने के बाद छात्र किसी भी प्राइवेट और सरकारी अस्पताल या क्लीनिक आदि में नौकरी पा सकते हैं।

क्या है बीपीटी

बीपीटी को बैचलर ऑफ फिजियोथैरेपी कहा जाता है। बता दें कि यह एक अंडरग्रेजुएट प्रोग्राम है। इस कोर्स की अवधि 4 साल की होती है। यह कोर्स मानव संरचना से संबंधित जैसे पोस्ट फैक्चर दर्द, मूवमेंट के लिए एक्सरसाइस और शारीरिक दर्दों से निजात दिलाने में सहायक होती है।

योग्यता

- 12वीं सांइस स्ट्रीम से पास होना अनिवार्य है।
- पीसीबी के सब्जेक्ट पढ़ा होना अनिवार्य है।
- अंग्रेजी का ज्ञान होना जरूरी है।
- इसके अलावा 12वीं में कम से कम 50त्न अंक होना चाहिए।
- आरक्षित श्रेणी के छात्रों को 5% की छूट प्राप्त है।
- इस कोर्स में प्रवेश लेने के लिए न्यूनतम आयु 17 साल होनी चाहिए।

प्रवेश परीक्षा

इस कोर्स को करने के लिए छात्रों को प्रवेश परीक्षा में शामिल होना जरूरी है। कुछ संस्थानों में एडमिशन परीक्षा के आधार पर होता है तो वहीं कुछ संस्थान डायरेक्ट एडमिशन देते हैं।

संस्थान

- आईपीयू सीईटी
- वीईई
- बीसीईसीई
- एलपीयूएनईएसटी
- आईईएमजीई

भारतीय टीम अब चैंपियन्स ट्रॉफी और डब्ल्यूटीसी फाइनल भी जीतेगी : जय शाह

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) सचिव जय शाह ने कहा है कि भारतीय क्रिकेट टीम अब रोहित शर्मा की कप्तानी में चैंपियन्स ट्रॉफी और विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) का फाइनल भी जीतेगी। इससे पहले जय शाह ने भारतीय टीम के टी20 विश्व कप जीतने की भविष्यवाणी की थी जो सच साबित हुई है। शाह ने कहा कि अब टीम का लक्ष्य डब्ल्यूटीसी फाइनल और चैंपियन्स ट्रॉफी जीतना रहेगा। उन्होंने कहा कि मुझे रोहित की कप्तानी क्षमता पर पूरा भरोसा है। अगले साल चैंपियन्स ट्रॉफी का आयोजन पाकिस्तान में होने वाला है। हालांकि इसके लिए भारतीय टीम के पाक जाने की संभावनाएं नहीं हैं। ऐसे में इस टूर्नामेंट में बीसीसीआई 'हाईब्रिड मॉडल लागू करने पर जोर देगा

जिससे कि भारतीय टीम के मैच किसी अन्य देश में खेले जा सकें। शाह के इस संदेश ने साफ हो गया है कि एकदिवसीय और टेस्ट में रोहित ही कप्तान रहेंगे। माना जा रहा है कि रोहित जब तक कप्तान बने रहेंगे जब तब तक टीम को अलग-अलग प्रारूपों के लिए कप्तान नहीं मिल जाते। रोहित की कप्तानी में ही भारतीय टीम ने पिछले साल डब्ल्यूटीसी और एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय विश्व कप के फाइनल में प्रवेश किया था पर उसे खिताबी मुकाबलों में हार का सामना करना पड़ा था। शाह ने टी20 विश्व कप में भारत की जीत को संन्यास लेने वाले तीन क्रिकेटरों कप्तान रोहित शर्मा, विराट कोहली और रविंद्र जडेजा के अलावा निवर्तमान कोच राहुल द्रविड़ को समर्पित किया है। उन्होंने कहा कि यह पिछले एक साल में हमारा तीसरा फाइनल था। हम जून 2023 में डब्ल्यूटीसी फाइनल में हारे। इसके बाद नवंबर 2023 में हमने लगातार 10 मैच जीते पर फाइनल नहीं जीत पाए। उन्होंने कहा कि रोहित, कोहली और जडेजा अगले माह श्रीलंका के खिलाफ एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला में खेलेंगे।

विम्बलडन मुकाबले देखने पहुंचे सचिन का हुआ भव्य स्वागत

लंदन। महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर क्रिकेट के अलावा अन्य खेलों में भी खासी रुचि रखते हैं। इसका अंदाजा इसी से होता है कि वह पत्नी अंजलि के साथ विम्बलडन मुकाबले भी देखने पहुंचे। सचिन को देखते ही वहां मैच देखने आये लोग उत्साहित हो गये और उन्होंने सेंटर कोर्ट पर खड़े होकर उनका अभिवादन किया। इस दौरान सचिन ने भी हाथ हिलाकर सभी के अभिवादन का जवाब दिया। विम्बलडन आयोजकों ने भी सोशल मीडिया पर डाले एक वीडियो में लिखा की सेंटर कोर्ट पर एक बार फिर आपका स्वागत है सचिन। सेंटर कोर्ट पर उपस्थित एंकर ने भी उनका स्वागत करते हुए कहा कि हमारे बीच भारत के महान क्रिकेटर, विश्व कप विजेता और क्रिकेट इतिहास में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले लीजैंड उपस्थित हैं। ऐसे में आप सभी उनका स्वागत करें।

इस दौरान सचिन के साथ उनकी पत्नी अंजली भी थीं। रॉयल बॉक्स में बैठे थे। तेंदुलकर इसके अलावा इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स और जोस बटलर के आलावा क्रिकेटर जो रूट भी पिछले काफी साल से विम्बलडन देखने जाते रहे हैं। ऐसे में उनके वहां भी काफी प्रशंसक हैं।

बॉर्डर-गावस्कर टेस्ट सीरीज के लिए सीए ने बढ़ायी टिकटों की कीमतें

मेलबर्न। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने इस साल नवंबर-दिसंबर में होने वाली बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के लिए टिकटों की कीमतें बढ़ा दी हैं। सीए का कहना है कि दोनो ही टीमों के बीच रोमांचक मुकाबलों को देखते हुए इसके टिकटों की मांग तेजी से बढ़ी है। सीए के अनुसार टिकटों की संख्या में रिकॉर्ड छह गुना वृद्धि हुई है। साथ ही कहा कि बॉक्सिंग डे टेस्ट के टिकटों की सबसे ज्यादा मांग है। साथ ही कहा कि साल 2018 और 19 की तुलना में खरीदार टिकटों की ज्यादा कीमत देने के लिए तैयार हैं। सीए के इवेंट और ऑपरेशंस के महाप्रबंधक जोएल मॉरिसन ने कहा कि हम भारी तादाद में भारतीय प्रशंसकों के बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के लिए ऑस्ट्रेलिया की यात्रा करने की योजना की जानकारी मिलने के बाद से ही उत्साहित हैं। साथ ही कहा कि हम भारतीय प्रशंसकों का स्वागत करने बेताब हैं। हम इसमें भाग लेने वाले सभी लोगों को एक सुखद और यादगार यात्रा का अनुभव प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं और हमारा भरोसा है कि यह सीरीज

आने वाले कई वर्षों तक याद रखी जाएगी। सीए भारतीय प्रशंसकों के लिए इस बार विशेष फैन ज़ोन भी बना रहा है। इन विशेष रूप से डिजाइन किए गए क्षेत्रों का उद्देश्य भारतीय समर्थकों के लिए एक जीवंत और स्वागत योग्य माहौल बनाना है, सीरीज के दौरान सभी स्थानों पर प्रशंसकों के बीच समुदाय और उत्सव की भावना को बढ़ावा देना है। बहुप्रतीक्षित बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी 22 नवंबर से 26 नवंबर तक पर्थ स्टेडियम में पहले टेस्ट के साथ शुरू होगी।

अभिषेक शर्मा का शतक, भारत ने जिम्बाब्वे को हराया

हरारे। भारत - जिम्बाब्वे के बीच दूसरे टी20 मैच में अभिषेक शर्मा के ऐतिहासिक शतक की मदद से भारत ने जिम्बाब्वे को हराकर सीरीज बराबर की। अभिषेक ने 47 गेंदों पर 100 रन बनाए, जिससे भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 2 विकेट पर 234 रन बनाए। अपना दूसरा अंतर्राष्ट्रीय टी20 मैच खेलते हुए, बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने 46 गेंदों में अपना पहला अंतरराष्ट्रीय शतक जड़ा। इस तरह वह टी20 शतक बनाने के लिए सबसे कम पारियों में शतक लगाने वाले पहले भारतीय बल्लेबाज बन गए। ऋतुराज गायकवाड़ ने नाबाद 77 रन बनाए, जबकि रिंकू सिंह ने भी नाबाद 48 रनों की पारी खेली, जिससे जिम्बाब्वे के गेंदबाजों को मैदान पर मुश्किलों का सामना करना पड़ा। दूसरी पारी में, आवेश खान (15 रन देकर 3 विकेट) और रवि बिश्नोई (11 रन देकर 2 विकेट) ने शानदार प्रदर्शन किया और भारत ने जिम्बाब्वे को 134 रन पर समेट दिया।

व्यापार

वैश्विक रुख और कंपनी के तिमाही परिणाम तय करेंगे शेयर बाजार की दिशा

मुंबई। इस सप्ताह घरेलू शेयर बाजारों की दिशा वैश्विक रुझान और विदेशी निवेशकों की गतिविधियों से तय होंगी। इसके अलावा सप्ताह के दौरान टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) और एचसीएल टेक्नोलॉजीज के पहली तिमाही के परिणाम भी आएंगे जो बाजार को दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। विश्लेषकों ने यह राय जताई है। विशेषज्ञों का कहना है कि पिछले सप्ताह की रिकॉर्ड तेजी के बाद स्थानीय बाजारों में कुछ नरमी दिख सकती है। बाजार विशेषज्ञों ने कहा कि घरेलू मोर्चे पर कंपनियों का चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही के नतीजों का सत्र इस सप्ताह शुरू हो रहा है। 11 जुलाई को टीसीएस और 12 जुलाई को एचसीएल टेक्नोलॉजीज के तिमाही नतीजे आएंगे। इसके अलावा सरकार 23 जुलाई को 2024-25 का पूर्ण बजट पेश करने जा रही है। शेयर बाजार के लिए यह एक प्रमुख घटनाक्रम होगा। बाजार को उम्मीद है कि सरकार बजट में वृद्धि को बढ़ावा देने वाली नीतियों की

घोषणा करेगी। साथ ही मानसून की प्रगति पर भी सभी की निगाहें रहेंगी। उन्होंने कहा कि इसके अलावा घरेलू और विदेशी संस्थागत निवेशकों की गतिविधियां भी बाजार की दृष्टि से महत्वपूर्ण रहेंगी। साथ ही कच्चे तेल की कीमतें भी बाजार के लिए महत्वपूर्ण रहेंगी। बाजार विशेषज्ञों ने कहा कि बाजार का परिदृश्य प्रमुख घरेलू और वैश्विक आर्थिक आंकड़ों से तय होगा। भारत के उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति के आंकड़े, औद्योगिकी उत्पादन के आंकड़े, फेडरल रिजर्व प्रमुख का संबोधन, ब्रिटेन के सकल घरेलू उत्पाद के आंकड़े, अमेरिका के उपभोक्ता मुद्रास्फीति तथा बेरोजगारी दावे के आंकड़े बाजार के लिए महत्वपूर्ण रहेंगे। बाजार विशेषज्ञ कहते हैं कि कंपनियों के तिमाही नतीजों का सत्र शुरू हो रहा है। आईटी क्षेत्र की दिग्गज टीसीएस से इसकी शुरुआत हो रही है।

बाजार बेहतर नतीजों की उम्मीद कर रहा है। निवेशकों की निगाह क्षेत्र के परिदृश्य को लेकर प्रबंधन की टिप्पणी पर रहेगी। इस सप्ताह पहली तिमाही के नतीजों की वजह से हम शेयर और क्षेत्र विशिष्ट गतिविधियां देखेंगे। इसके अलावा निवेशकों की निगाह भारत, अमेरिका और चीन के मुद्रास्फीति के आंकड़ों पर भी रहेगी। उन्होंने कहा कि आगे चलकर बाजार की दिशा काफी हद तक कंपनियों के तिमाही नतीजों से तय होगी।

टमाटर की बढ़ती कीमत पर सरकार अलर्ट, जल्द मिलेगी राहत

नई दिल्ली। बरसात शुरू होने के साथ एक बार फिर से सब्जियों की कीमतों में तेजी देखी जा रही है। इसमें प्याज-टमाटर ने तो रसोई का बजट ही बिगाड़ दिया है। दिल्ली, कानपुर और कोलकाता सहित कई शहरों में टमाटर 70 से 90 रुपये किलो बिक रहा है। इस बढ़ी कीमत पर सरकार भी अलर्ट हो गई है और आम लोगों को राहत पहुंचाने के लिए उपाय में जुट गई है। सरकार ने भरोसा दिलाया है कि जल्द ही ये कीमतें कम हो सकती हैं। केंद्रीय उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय ने कहा है कि दक्षिणी राज्यों से ताजा फसल जल्द ही बाजारों में आने वाली है, जिससे कीमतों में कमी आने की उम्मीद है। मंत्रालय ने इसके साथ ही कहा है कि अच्छी बारिश के कारण प्रमुख सब्जियों की गर्मियों की बुवाई तेजी से बढ़ रही है। पिछले महीने मानसून में देरी और तेज तापमान के बाद भारी बारिश ने सब्जियों की सप्लाई को कई जगह रोक दिया है। वैसे जून और जुलाई के महीने में

टमाटर महंगे हो भी जाते हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार कारोबारियों का कहना है कि तेज लू के कारण टमाटर सहित कई सब्जियां खेत में ही खराब हो गईं, जिस कारण इस बार ये इतना महंगा हो गया। उन्होंने कहा कि किसानों को कोई मुनाफा नहीं हो रहा, क्योंकि गर्मी के कारण फसल बहुत तेजी से खराब हो गई। वहीं दिल्ली की आजादपुर थोक मंडी के एक अधिकारी ने कहा कि प्याज की सप्लाई खत्म हो गई है और फिलहाल सिर्फ हिमाचल प्रदेश से टमाटर की सप्लाई हो रही है। हालांकि अब उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय ने कीमतें जल्द ही कम होने की उम्मीद जताई है। मंत्रालय ने कहा कि आंध्र प्रदेश के चित्तूर और कर्नाटक के कोलार जैसी जगहों पर टमाटर की अच्छी फसल हुई है। बयान में कहा गया है कि कोलार में टमाटर चुनना शुरू हो गया है और कुछ दिनों में बाजार में दस्तक देने लगेगा। इसके बाद हफ्तेभर में ही कीमतें कम हो जाएंगी।

भारत में रिज़्टा की डिलीवरी शुरू

नई दिल्ली। भारत में एथर एनर्जी ने रिज़्टा ई-स्कूटर की डिलीवरी शुरू कर दी है। स्कूटर की डिलीवरी अभी चुनिंदा शहरों में की जा रही है। सीईओ तरूण मेहता ने सोशल मीडिया पर इसका ऐलान किया है।

फिलहाल यह डिलीवरी, अहमदाबाद, दिल्ली, लखनऊ, आगरा, जयपुर, नागपुर और आंध्र प्रदेश में शुरू हुई है। जल्द ही कंपनी अन्यों शहरों में भी इसकी डिलीवरी शुरु करेगी। इस इलेक्ट्रिक स्कूटर में दो बैटरी पैक दिए गए हैं। पहला 2.9 केडब्ल्यूएच बैटरी पैक, जो सिंगल चार्ज पर 105 किमी की रेंज और दूसरा 3.7 केडब्ल्यूएच बैटरी पैक 125 किमी की रेंज देने का दावा करता है। इस स्कूटर को आईपी67 की मानक रेटिंग भी मिली हुई है। अथेर रिज्टा में टीएफटी डिजिटल इंस्ट्रूमेंट कंसोल

के साथ टर्न-बाय-टर्न नेविगेशन, स्मार्टफोन कनेक्टिविटी, पार्क असिस्ट, ऑटो हिल होल्ड जैसे फीचर्स दिए गए हैं। इसमें स्मार्ट ईको और जिप मोड मिलते हैं। अथेर रिज्टा 0-40 केएमपीएच की स्पीड 3.7 सेकंड में हासिल कर सकता है।

इसकी टॉप स्पीड 80 किमी / प्रतिघंटा है।

आगामी केंद्रीय बजट 2024-25 के लिए हुईं बजट-पूर्व परामर्श बैठकें

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त एवं कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण बजट तैयार करने की प्रक्रिया के तहत उद्योग जगत और सामाजिक क्षेत्र के प्रतिनिधियों सहित विभिन्न संबंधित लोगों के साथ विचार-विमर्श को पूरा कर लिया है। वित्त मंत्री की अध्यक्षता में यहां आयोजित आगामी केंद्रीय बजट 2024-25 के लिए बजट-पूर्व परामर्श बैठकें हो गई हैं। ये बैठकें वित्त मंत्रालय में 19 जून, 2024 से शुरू होकर 5 जुलाई, 2024 तक अयोजित की गईं। वित्त मंत्रालय ने रविवार को जारी एक बयान में बताया कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता में आयोजित केंद्रीय बजट 2024-25 के लिए बजट-पूर्व परामर्श बैठकों में व्यक्तिगत परामर्श के दौरान, 10 हितधारक समूहों के 120 से अधिक आमंत्रितों ने भाग लिया। इनमें किसान संघों और कृषि अर्थशास्त्रियों, ट्रेड यूनियनों, शिक्षा और स्वास्थ्य क्षेत्र, रोजगार और कौशल, एमएसएमई, व्यापार और

सेवाएं, उद्योग, अर्थशास्त्रियों, वित्तीय क्षेत्र और पूंजी बाजार के साथ-साथ बुनियादी ढांचे, ऊर्जा और शहरी क्षेत्र के विशेषज्ञ और प्रतिनिधि शामिल हुए। मंत्रालय के मुताबिक सीतारमण ने बजट पूर्व परामर्श बैठक में अपना बहुमूल्य सुझाव साझा करने के लिए प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने विशेषज्ञों और प्रतिनिधियों को आश्वासन दिया कि आगामी केंद्रीय बजट 2024-25 तैयार करते समय उनके सुझावों की सावधानीपूर्वक जांच की जाएगी और उन पर विचार किया जाएगा ।

इन बैठकों में केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी, वित्त सचिव और व्यय सचिव डॉ. टी.वी. सोमनाथन, आर्थिक मामलों के विभाग के सचिव अजय सेठ, दीपम के सचिव तुहिन के. पांडे, वित्तीय सेवा विभाग के सचिव विवेक जोशी, राजस्व विभाग के सचिव संजय मल्होत्रा, कॉरपोरेट मामलों के मंत्रालय के सचिव मनोज गोविल, संबंधित मंत्रालयों के सचिव, मुख्य आर्थिक सलाहकार डॉ. वी. अनंत नागेश्वरन शामिल रहे। उल्लेखनीय है कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण 23 जुलाई, 2024 को अपना सातवां बजट पेश करेंगी। यह नरेन्द्र मोदी 3.0 सरकार का पहला पूर्ण बजट होगा। यह बजट 2047 तक 'विकसित भारत' का रास्ता तैयार करेगा।

वाईआरएफ की स्पाई यूनिवर्स फिल्म के नाम से उठा पर्दा

अल्फा में सुपर-एजेंट बन धमाल मचाएंगी आलिया और शरवरी वाघ का

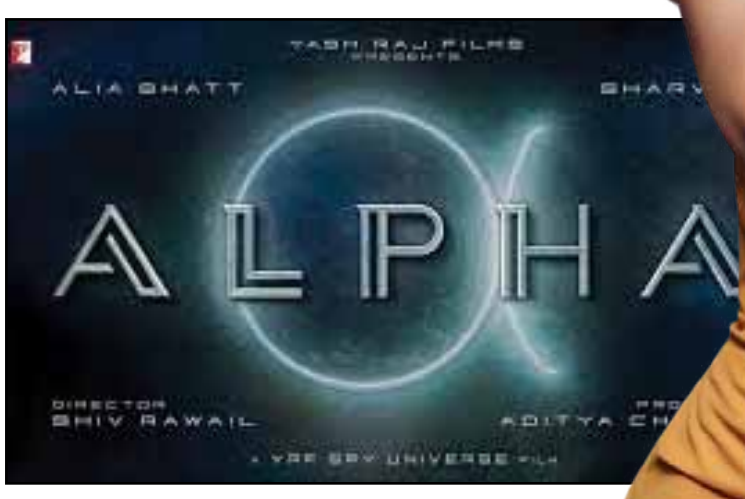

बॉलीवुड एक्ट्रेस आलिया भट्ट आदित्य चोपड़ा की वाईआरएफ स्पाई यूनिवर्स की पहली फीमेल लीड फिल्म एक्ट्रेस हैं. उनके साथ इस फिल्म में इंडस्ट्री की उभरती हुई स्टार और वाईआरएफ की होमग्रोन टैलेंट शरवरी भी शामिल होंगी. दोनों स्पाई यूनिवर्स में सुपर-एजेंट की भूमिका निभाएंगी और ये साफ है कि आदित्य चोपड़ा इन्हें अपने स्पाई यूनिवर्स की अल्फा गर्ल्स बनाने के लिए एकदम तैयार हैं. यशराज फिल्म्स ने फिल्म के टाइटल के साथ पहला वीडियो भी रिवील कर दिया है. इस वीडियो के बैकग्राउंड में आलिया भट्ट की आवाज सुनाई दे रही है. अल्फा का पहला वीडियो आते ही सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो गया. वाईआरएफ ने ये कदम समाज में उस गलतफहमी को तोड़ने के लिए उठाया है कि केवल पुरुष ही अल्फा हो सकते हैं. फिल्म में आलिया भट्ट और शरवरी वाघ देश के दुश्मनों से भिड़ती नजर आएंगी. स्पाई यूनिवर्स मूवी टाइटल अनाउंसमेंट वीडियो में आलिया भट्ट कहती हैं, ग्रीक अल्फाबेट का सबसे पहला अक्षर और हमारे प्रोग्राम का मोट्टो.. सबसे पहले, सबसे तेज़, सबसे वीर. ध्यान से देखो तो हर शहर में एक जंगल है और जंगल में हमेशा राज करेगा अल्फा. आदित्य चोपड़ा वाईआरएफ स्पाई यूनिवर्स की पहली फीमेल लीड फिल्म को एक्शन से भरपूर बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं. अल्फा का निर्देशन शिव रावल कर रहे हैं, जिन्होंने ब्लॉकबस्टर ग्लोबल स्ट्रीमिंग सीरीज द रेलवे मेन का भी निर्देशन किया था, जिसे यशराज फिल्म्स ने प्रोड्यूस किया था. प्रोड्यूसर आदित्य चोपड़ा द्वारा निर्मित वाईआरएफ स्पाई यूनिवर्स आज भारतीय सिनेमा का सबसे बड़ा आईपी बन गया है. इस स्पाई यूनिवर्स की सभी फिल्में - एक था टाइगर, टाइगर जिंदा है, वॉर, पठान, टाइगर 3 ब्लॉकबस्टर साबित हुई है.आलिया-शरवरी की अल्फा आदित्य चोपड़ा की अगली बड़ी पेशकश है, जो इस समय वॉर 2 भी बना रहे हैं, जिसमें ऋतिक रोशन और एनटीआर जूनियर लीड रोल में हैं. इस फेमस ब्लॉकबस्टर यूनिवर्स की अगली फिल्म पठान 2 होगी, जिसके बाद टाइगर बनाम पठान आएगी.

चंदू चैंपियन ने पार किया प्रोडक्शन कॉस्ट

वर्ल्ड वाइड कार्तिक आर्यन की फिल्म ने कमाए 96 करोड़

जून में फिल्म चंदू चैंपियन आई जो बॉक्स ऑफिस पर सफल हो गई. ये फिल्म कार्तिक आर्यन की है जिसमें उनकी परफॉर्मेंस की तारीफ हर किसी ने की. कार्तिक आर्यन की सफल फिल्मों में अब चंदू चैंपियन का नाम भी शामिल हो गया है. इस फिल्म का कलेक्शन बजट से पार चला गया है और इसे अब हिट बताया जा रहा है. साजिद नाडियावाला ग्रैंडसन प्रोडक्शन में फिल्म चंदू चैंपियन के प्रोड्यूसर कबीर खान भी हैं. कार्तिक आर्यन स्टारर चंदू चैंपियन बॉक्स ऑफिस पर एक शानदार यात्रा के साथ अपना लोहा मनवा रही है, जिसने अकेले भारत में 69 करोड़ नेट और 81 करोड़ सकल कमाई की है. इसके साथ ही फिल्म ने इंटरनेशनल मार्केट में 15.5 करोड़ की कमाई अपने नाम की है. इस तरह से फिल्म की टोटल वर्ल्डवाइड कमाई 96 करोड़ हो चुकी है. 70 से 80 करोड़ रुपए के बड़े बजट में बनी इस फिल्म ने सफलतापूर्वक अपने प्रोडक्शन कॉस्ट को कवर कर लिया है. जैसे-जैसे यह फिल्म सिनेमाघरों में दिखाई जा रही है, वैसे -वैसे चंदू चैंपियन दुनिया भर के दर्शकों के दिलों पर कब्जा करना जारी रखे हुए है. ये फिल्म बड़े पर्दे पर 14 जून 2024 को रिलीज हुई थी जो अभी तक चल रही है. यह फिल्म अपनी दमदार कहानी और कार्तिक की जबरदस्त परफॉर्मेंस से दर्शकों के दिलों पर गहरा प्रभाव छोड़ रही है. फिल्म चंदू चैंपियन अमेजॉन प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम करेगी.

धनुष की फिल्म कुबेरा से रश्मिका मंदाना की पहली झलक आई सामने, टीजर भी जारी

साउथ की फेमस एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म कुबेर को लेकर खबरों में बनी हुई हैं। बता दें कि रश्मिका मंदाना ने सुपरस्टार अल्लू अर्जुन स्टारर फिल्म पुष्पा से उनके करियर को एक नई उड़ान मिली है। अब वो निर्देशक सेखर कम्मूला की अपकमिंग फिल्म कुबेर में धमाल मचाने के लिए तैयार है। अब इस बीच फिल्म कुबेर से रश्मिका मंदाना का पहला लुक वीडियो जारी कर दिया गया है, जो उनके फैंस को काफी पसंद आ रहा है। आपको बता दें कि रणबीर कपूर की एनिमल में एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना ने गीतांजली की भूमिका निभाई थी, जिसने फैंस का दिल जीत लिया था। अब इसके बाद वो फिल्म कुबेर में नजर आने वालीं हैं। कुबेर से उनका फर्स्ट लुक वीडियो रिलीज कर दिया गया है, जिसमें वो एक गड्ढे में से पैसों से भरा बैग निकालते दिख रहीं हैं। इसको देख ऐसा बताया जा सकता है कि फिल्म में एक्ट्रेस ने इस खजाने को छुपा रखा है और बाद में वो इसे निकाल रहीं हैं। अब इस नोटों से भरे बैग

का क्या राज है, वो तो कुबेर फिल्म की रिलीज के बाद ही पता चल सकेगा। इस फर्स्ट लुक वीडियो को देखने के बाद से एक्ट्रेस के फैंस काफी एक्साइटमेंट नजर आ रहें हैं और इस फिल्म के रिलीज होने का इंतजार कर रहें हैं। रश्मिका मंदाना के वर्कफ्रंट की बात करें तो फिल्म कुबेर में रश्मिका मंदान साउथ सिनेमा के दिग्गज अभिनेता धनुष के साथ नजर आएंगी। इस फिल्म में इन दोनों स्टार्स के अलावा सुपरस्टार नागार्जुन भी अहम किरदार में शामिल हैं।

अक्षय कुमार की सरफिरा का गाना छावत जारी

श्रेया घोषाल ने दी अपनी आवाज

बड़े मियां छोटे मियां के बाद अब अक्षय कुमार फिल्म सरफिरा के जरिए दर्शकों का मनोरंजन करते नजर आएंगे।इस फिल्म में अक्षय की जोड़ी पहली बार राधिका मदान के साथ बनी है। यह फिल्म इस साल की बहुचर्चित फिल्मों में से एक है।मार उड़ी और खुदाया के बाद अब निर्माताओं ने सरफिरा का तीसरा गाना छावत जारी कर दिया है, जिसे श्रेया घोषाल ने अपनी आवाज दी है।इस गाने के बोल मनोज मुंतशिर शुक्ला ने लिखे हैं। अक्षय ने गाना साझा करते हुए लिखा, वीर और रानी- दो सरफिरे, एक शादी और ढेर सारा प्यारा। छावत के साथ खुशियों का जश्न देखें।सरफिरा दक्षिण भारतीय अभिनेता सूर्या की सुपरहिट फिल्म सोरारई पोटरु की आधिकारिक हिंदी रीमेक है।इस फिल्म में परेश रावल और सीमा बिस्वास भी अहम भूमिकाओं में हैं। बता दें, सरफिरा दक्षिण भारतीय फिल्म सोरारई पोटरु की ऑफिशियल हिंदी रीमेक है। सोराराई पोटरु में सुपरस्टार सूर्या लीड रोल में दिखाई दिए थे और इसे दर्शकों से जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला था। उम्मीद जताई जा रही है कि अक्षय कुमार स्टारर सिरफिरा को

भी दर्शकों से अच्छी प्रतिक्रिया मिलेगी। इस फिल्म में अक्षय कुमार के साथ परेश रावल, राधिका मदान और सीमा बिस्वास भी अहम भूमिकाओं में हैं। सिरफिरा 12 जुलाई को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। इस फिल्म के साथ साउथ सुपरस्टार कमल हासन की इंडियन 2 भी सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

रब से है दुआ में आइस स्लैब सीक्वेंस की शूटिंग के लिए लगाना पड़ा सरसों का तेल: येशा रूघानी

एक्ट्रेस येशा रूघानी ने शो रब से है दुआ में आइस स्लैब सीक्वेंस शूटिंग के अपने रोमांचक एक्सपीरियंस को शेयर किया और बताया कि सीन की शूटिंग के बाद हॉट वाटर बैग की जरूरत पड़ती थी। हाल के एपिसोड में, दर्शकों ने मन्नत (सीरत कपूर) और फरहान (आरव मल्होत्रा) को इबादत (येशा) को प्रताड़ित करते हुए देखा, ताकि वह मन्नत की फरहान के साथ भागने के प्लान के बारे में किसी को भी न बता सके। वह इबादत को किडनैप कर लेते हैं। उसे गले में रस्सी बांधकर बर्फ की स्लैब पर लटका दिया जाता है। इस स्पेशल सीक्वेंस की शूटिंग येशा और टीम के लिए एक चुनौतीपूर्ण था, क्योंकि एक्टर की सुरक्षा को ध्यान में रखना सबकी प्राथमिकता थी। येशा ने कहा, बर्फ की स्लैब पर शूटिंग करना कुछ ऐसा है जो मैंने पहले कभी नहीं किया। यह मेरे लिए बहुत रोमांचक एक्सपीरियंस था। मेरी टीम ने पूरे समय काफी मेहनत की। जब मैंने शुरुआती कुछ शॉट्स के लिए बर्फ की स्लैब पर कदम रखा, तो मुझे लगा, हे भगवान, मैं जम रही हूं क्योंकि कुछ ही मिनटों में मेरे पैर सुन्न होने लगे थे। उन्होंने कहा, यही नहीं, इस सीन में मेरे हाथ भी बंधे हुए थे, जिसकी वजह से यह और भी ज्यादा मुश्किल हो रहा था। जब आप बर्फ की एक सिल्ली पर खड़े होते हैं, तो आपके शरीर का तापमान बदल जाता है और आपके पैर सुन्न हो जाते हैं। यह देखने के लिए कि इसका असर हमारी सेहत पर न पड़े, हमें सरसों का तेल लगाने के लिए कहा गया, हमने वह भी किया। येशा ने आगे कहा, सीक्वेंस की शूटिंग के बाद, मैं हॉट वॉटर बैग लेकर बैठती थी। हमारे डायरेक्टर राज, यूसुफ सर के साथ हर समय अलर्ट थे, जिन्होंने हर चीज की निगरानी की और सुनिश्चित किया कि हम ठीक हैं। हम इस सीन को पूरा करने में सफल रहे। उम्मीद है कि दर्शकों को यह रोमांचक सीक्वेंस पसंद आएगा। रब से है दुआ हर दिन रात 10.30 बजे जी टीवी पर प्रसारित होता है।

बॉडीकॉन ड्रेस पहने दिखीं श्रद्धा दास, एक्ट्रेस पर से नहीं हटी फैंस की नजरें

साउथ इंडस्ट्री की एक्ट्रेस श्रद्धा दास हमेशा अपनी हॉट फोटोज को लेकर सोशल मीडिया पर चर्चाओं में रहती हैं। वो आए दिन अपने फैंस के लिए इंस्टाग्राम पर अपनी फोटो और वीडियो शेयर करती रहती हैं। हाल ही में एक्ट्रेस की लेटेस्ट फोटोशूट के दौरान की कुछ ग्लैमरस तस्वीरें इंटरनेट पर वायरल हो रही हैं। इन तस्वीरों में उनका गॉर्जियस लुक देखकर फैंस अपने होश खो बैठे हैं। एक्ट्रेस श्रद्धा दास आए दिन अपनी लेटेस्ट हॉट पोस्ट शेयर कर अक्सर सभी फैंस का ध्यान अपनी ओर खींच लेती हैं। उनका गॉर्जियस अंदाज इंटरनेट पर आते ही तेजी से वायरल होने लगता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर साझा की हैं। इन तस्वीरों में उनका स्टाइलिश लुक देखकर फैंस एक बार फिर से उनके हुस्न के कायल हो गए हैं। इन तस्वीरों में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस ने फोटोशूट के दौरान बॉडीकोन गाउन पहना हुआ है, जिसमें वो एक से बढ़कर एक सिजलिंग अंदाज में पोज देती हुई नजर आ रही हैं। कानों में इयररिंग्स, बालों को स्टाइलिश लुक में बांधकर और साथ ही लाइट मेकअप और न्यूड लिप शेड लगाकर एक्ट्रेस श्रद्धा दास ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है। श्रद्धा दास जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर शेयर करती हैं तो फैंस उनकी तस्वीरों पर जमकर लाइक्स और कॉमेंट्स कर के अपनी प्रतिक्रियाएं देते हैं। हालांकि इन तस्वीरों में भी आप देख सकते हैं एक यूजर ने कॉमेंट करते हुए लिखा - सो गॉर्जियस और दूसरे ने कॉमेंट करते हुए लिखा- टू मच हॉट। ऐसे ही एक के बाद एक कर के लोग अपनी प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं।